Finish 196.5 x 260 mm

समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जून २०१७ • वर्ष ६८ • अंक ०६

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

राँची में सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक : चित्र में श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, सम्मेलन के पूर्व अध्यक्षगण, राष्ट्रीय/प्रांतीय पदाधिकारीगण और समिति के सदस्य।

राँची में 'राष्ट्रनिर्माण में मारवाड़ी समाज का योगदान' विषयक संगोष्ठी में परिलक्षित हैं: झारखंड सरकार के मंत्री श्री सरयू राय, धनबाद के महापौर श्री चंद्रशेखर अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री सीताराम शर्मा (व्याख्यान देते हुए), श्री नंदलाल रूँगटा एवं अन्य।

इस अंक में :

- अध्यक्षीय - वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया
- सम्पादकीय - मद्यपान हमारा संस्कार नहीं
- रपट - अखिल भारतीय समिति की बैठक
- रपट - संगोष्ठी - राष्ट्र के विकास में मारवाड़ी समाज का योगदान।
- प्रांतीय समाचार - उत्कल, पूर्वोत्तर, पं. बंग, दिल्ली, बिहार
- आलेख - क्या मद्यपान उचित है?
- आलेख - समाज का सुरक्षा कवच है सम्मेलन
- विशेष - पाकिस्तान में मारवाड़ी
- नये सदस्यों का स्वागत

FORCE

NXT

INNER FASHION

GO FOR NXT

Buy online from:

flipkart.com Myntra amazon snapdeal.com

ebay paytm SHOPCLUES.com www.shopnxt.in

Distributors enquiry solicited in unrepresented areas. For trade enquiries, mail us at info@forcenxt.com

समाज विकास

◆ जून २०१७ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०६

◆ एक प्रति - ₹ १० ◆ वार्षिक - ₹ १००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
• **सम्पादकीय : सन्तोष सराफ** मद्यपान हमारा संस्कार नही है	३
• **चिट्ठी आई है**	५
• **अध्यक्षीय : प्रह्लाद राय अगरवाला** वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया	९
• अखिल भारतीय समिति की बैठक - रपट	११
• **राष्ट्रीय / प्रान्तीय समाचार**	१५
• **संगोष्ठी** : राष्ट्रनिर्माण में मारवाड़ी समाज का योगदान - रपट	१८
• **लेख : शिव कुमार लोहिया** क्या मद्यपान उचित है?	२२
• **लेख : संजय हरलालका** समाज का सुरक्षा कवच है मारवाड़ी सम्मेलन	२४
• **विशेष** : पाकिस्तान में मारवाड़ी	२५
• **विविध**	२९
• **नए सदस्यों का स्वागत**	३१-३३

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

के लिये श्री भानीराम सुरेका द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित

संपादक : संतोष सराफ ◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा

सम्पादकीय सहयोग : शिव कुमार लोहिया, संजय हरलालका एवं भंवरमल जैसनसरिया

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

सम्पादकीय

मद्यपान हमारा संस्कार नही है

– सन्तोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारण समिति अखिल भारतीय समिति की बैठक गत माह राँची में सम्पन्न हुई। विभिन्न प्रांतो से पदाधिकारीयों एवं सदस्यो की उपस्थिति में सार्थक चर्चा हुई। इस प्रकार के बैठक में उपस्थिति से सम्मेलन की प्रासंगिकता का पता चलता है। इसके अलावा प्रांतीय एवं राष्ट्रीय अधिवेशन या राष्ट्रीय अध्यक्ष के दौरे के समय सम्मेलन की शक्ति का पता चलता है। इसमें कोई शक नही कि सम्मेलन समाज को एक सूत्र में बांधने के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है एवं वह अपनी भूमिका निभाने में संलग्न है।

इस बार अन्य चर्चाओं के साथ साथ वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध संबंधी प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। मद्यपान समाज में प्रचलित होता जा रहा है। यह एक व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। किन्तु वैवाहिक कार्यक्रम एक सामाजिक एवं धार्मिक आयोजन होता है। इसलिये सम्मेलन समाजबंधुओं से वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान न करने का अनुरोध करता है। साथ ही सभी से अपील करता है कि जिस वैवाहिक कार्यक्रम में मद्यपान की व्यवस्था हो, उसमें शामिल न हुआ जाय।

इस सभी जानते हैं कि किस प्रकार राजस्थान के विषम परिस्थितियों में रहकर हमारे पूर्वजों ने अपने अस्तित्व को बचाए रखा। अपने कार्यकुशलता, मेहनत एवं ईमानदारी के बल पर वे तत्कालीन राजा महाराजा के चहेते बने। रोजी-रोटी की खोज में पूरे देश में फैल गए। मारवाड़ी समाज के विकाश में उनकी सामाजिकता, पारिवारिक प्रेम-भाव एवं सामुदायिक लगाव के साथ अनुशासन, विशुद्ध मानसिकता एवं परस्पर सहायता करने की प्रवृत्ति का योगदान रहा है। यह बहुत पुरानी बात नही है जब घर में मांगिलक अवसरो पर सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों के लिए अनुदान दिये जाते थे। शून्य से शुरु कर हम यहा पहुचें हैं जहाँ आज हम हैं। कोई भी समाज अपने को दूसरे समाज से अलग थलग नही कर सकता। साथ ही साथ हमे हमारे संस्कारों एवं विशेषताओं को नहीं छोड़ना चाहिए। यह हमारी पहचान है एवं सफलता का कारण भी। मारवाड़ी होना एक विशेषता है। अपनी पहचान बनाए रखने के लिए कुछ जिम्मेदारीयाँ निभानी पड़ेगी, उसके लिए हमे तैयार रहना है। आज समाज में सम्पन्नता है। फिर भी समाज में अधिकांश कमजोर वर्ग के लोग हैं। हमे ऐसा कोई भी सामाजिक कदम नही उठाना चाहिए जिसके कारण दूसरों को असुविधा हो।

समाज विकास के इस अंक में पाकिस्तान में मारवाड़ियो पर एक विशेष जानकारी दी जा रही है। राजस्थानी लघु कथा एवं कविताएँ भी हैं। पाठको से अनुरोध करूंगा कि वे अपने घरों में एवं आसपास के वच्चों को राजस्थानी भाषा की रचनाएँ पढ़ने के लिये प्रेरित करें। राजिये के दोहे गागर मे सागर लिये हुए इस अंक मे दिये जा रहे हैं। आपको यह अंक कैसा लगा, यह जानने की अभिलाषा, हमारी बनी रहेगी। अपनी प्रतिक्रियाओं से कृपया हमें अवगत कराएँ। ★★★

With Best Compliments from:

ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head- office:
1 Gibson Lane, 2nd Floor
Suite- 211, Kolkata- 700069
Phone : 2210-3480,2210-3485
Fax: 2231-9221
E-mail : info@roadcargo.in

Branches & Associates :
Guwahati, Siliguri, Durgapur, Haldia, Kharagpur, Balasore,
Bhubneswar, Cuttuck, Iccapuram, Vishakapatnam, Vijaywada,
Hyderabad, Chennai, Bangalore, Cochin, Gaziabad (U.P. Border), Indore

चिट्ठी आई है

कलेवर में निखार

पत्रिका बराबर मिल रही है। बराबर विकास के मार्ग पर अग्रसर है। बराबर पत्रिका के कलेवर में निखार आ रहा है। आना भी चाहिए। विज्ञापनों की संख्या भी बढ़ रही है। पत्रिका जितनी समृद्ध होगी उसमें प्रकाशित सामग्री भी समाज के विकास में उतनी ही सहायक होगी। मनुष्य समाज विकास के मार्ग पर आगे बढ़े इसके लिए पत्रिका में ऐसी सामग्री पाठकों के लिए होनी चाहिए जो प्रत्येक वर्ग को आगे बढ़ने में (विकास में) सहायक सिद्ध हो। 'विकास हो - विकास हो' की रट लगाने से विकास नहीं होता। इसके लिए दृढ़ संकल्प और त्याग (दान) की आवश्यकता होती है। त्याग (दान) समृद्ध लोग ही कर सकते हैं। संस्कृत के इस श्लोक का मर्म आप और मैं यानि हम सब जानते हैं जो भर्तृहरि ने अपने नीति-शतक में लिखा है।

दानं भोगो नाशस्तिस्रो गतयो भवंति वित्तस्य।
यो न ददाति न भुंक्ते तस्य तृतीया गतिर्भवति।।

समाज और देश के विकास में धनिकों की भूमिका आदिकाल से आजतक रही है और निरंतर आगे अनंतकाल तक बनी रहेगी, यह निर्विवाद सत्य है। त्याग के और भी अनेक असंख्य पहलू हैं जो समाज-विकास और देश-विकास में महती भूमिका निभाते हैं। आपकी टीम अच्छा कार्य कर रही है। संगठन का विस्तार हो रहा है। श्री प्रह्लादरायजी ने प्रयासों को और गति देने की जरूरत पर जोर दिया है। हमें मिलकर काम करने की भावना को आगे बढ़ाना है।

– डॉ. शंकर लाल स्वामी
बीकानेर (राज.)

सम्पादकीय दृष्टि

अप्रैल २०१७ का समाज-विकास सादर मिला, आभार! यही कृपा नियमित बनाई रखेंगे जी! आपके सम्पादकीय की तीन बातें :– (१) संयुक्त परिवार टूट रहे हैं (२) मायड़-भाषा तो क्या हिन्दी से भी दूर हो रहे हैं (३) मद्यपान = अत्यन्त महत्वपूर्ण हैं। यही वास्तविक सम्पादकीय दृष्टि भी है। वेद का उदाहरण अच्छे विचार सभी दिशाओं से आने दो। बधाई!

– अम्बु शर्मा
सम्पादक, नैणसी

मायड़ भाषा रो मिठास

समाज विकास रो जनवरी १७ अुर फरवरी १७ रो अंक पढयो। इसक बार मांय कुछ लिखनो चाउ हूँ।

भोत प्रशंसा की बात ह कि सम्मेलन मायड भाषा र प्रचार तांई घणो चेस्टा कर रहयो ह। पण जो लेख उर कविता आप छाप रहया हो उनरी भाषा ठेठ भाषा ह। आपा लोग आजकल धणेरा लोग दिसावर म रहन लाग्या और देश री भाषा क सम्पर्क मायं रहया कोनी। इस वास्त उन न समझन म भोत ही दिक्कत होव उर ई वास्त ही पढनो छोड देऊँ। मायड भाषा रो मिठास तो उक उच्चारण माय ह और उक उच्चारण माय ही भाषा रो मिठास उर उसकी तरंग को आनन्द मिल ह। पर ठेठ भाषा म वो आनन्द आवा कोनी। ई बात रो ध्यान राखोला तो आपन लोगा क आसानी स पकड़ म आ सकगी और उसको मिठास को भी मजो आवगो।

जनवरी अंक माय छापी कविता "अरदास २०१७" भोत सोनी अरदास ह। सार जीवन की अरदास इस माय शामिल करी गई ह। इसी माय छापो गयो लेख "दुधीया मुखडा री जवान क्युँ काटो हो।" भोत ही सटीक ह, पण भाषा ठेठ ह।

फरवरी अंक म छापी "एकर तो पाछा गाँव पधरोनि" कविता भी शायद आग भविष्य को चित्र दिखाव ह।

– नारायण प्रसाद कोटरीवाला
भागलपुर (बिहार)

Ban on Alcohol during Weddings

It is so heartening and a great welcome step that All India Marwari Federation has given a progressive call to our Marwari brethren not only to not serve alcohol during weddings but also boycott where alcohol is served.

Apart from high moral, cultural and austerity stand on this important issue; what people don't see is the religious side too. Consider this. Kanya Daan is Maha Daan. It is a 'maha yagya' when priests chant sacred mantras, elaborate hawan is performed, bridegroom and bride walk seven rounds around holy fire to become husband and wife forever and parents of bride observe fast for whole day. Now can we imagine and accept people holding glasses of alcohol in this highly religious atmosphere? Would we allow somebody to drink in our puja-ghar when we are doing prayer and performing puja? It is same as wedding. Moreover, some people are bound to create nuisance and disturbance after consuming alcohol. Can it be allowed when bride, her parents, family members and friends are emotionally sad with separation of beloved daughter in mind? So, considering above points, I think our Marwari society should voluntarily adopt the ban rather than wait for someone to remind them. I would rather go a step further and request all the Hindu communities to follow the same. Isn't it?

– Govind Das Dujari, Kolkata

Comprehensive and Exclusive

Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

Subscribe

100% Bargain

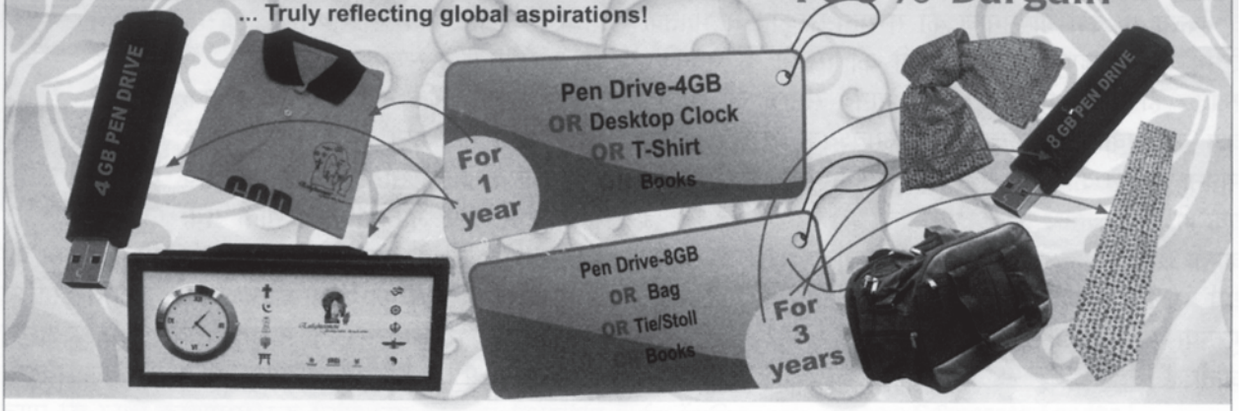

Subscribe Business Economics :

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

Tick	Term	No. of Issues	Price you pay	Gift Value	Saving	US $	UK £	Gift Option
☐	3 Years	72	1440/-	1440/-	1440/-	216	144	☐ 8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books
☐	1 Year	24	480/-	480/-	480/-	72	48	☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ Exclusively for Students/Institutions
☐	1 Year	24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150)	240/-	150/-	390/-	-	-	☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS

For 1 year Book of choice upto ₹ 480 | For 3 years Books of choice upto ₹ 1440

Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District: _____

State: _____ Country: _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

Mail this subscription form along with your Cheque / DD to : Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

For Subscription enquiries contact : Kolkata : Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
New Delhi : Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

Lucky DRAW

QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :
1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-

सम्पर्क शिविर

मारवाड़ी सम्मेलन का समाज के लोगों को जोड़ने की दिशा में अभिनव प्रयास

संगठित समाज, सशक्त आवाज के मद्देनजर समाज के लोगों से सम्पर्क स्थापित कर उन्हें सम्मेलन की गतिविधियों से परिचित कराने तथा संगठित समाज के तहत लोगों को समाज से जोड़ने के उद्देश्य से अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रह्लादराय अगरवाला के निर्देशानुसार गत २८ मई २०१७ को मानिकतल्ला, कोलकाता

स्थित मणि कला अपार्टमेन्ट में सम्पर्क शिविर का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता मणि कला ओनर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष राजेन्द्र अग्रवाल ने की। उन्होंने आश्वासन दिया कि वे मणि कला के अधिकांश परिवार के कम से कम एक सदस्य को सम्मेलन से जोड़ने की दिशा में प्रयास करेंगे। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संतोष सराफ ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के लिये सम्मेलन का महत्ता जग जाहिर है। राष्ट्रीय महामंत्री शिवकुमार लोहिया ने कहा कि सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिये समाज के लोगों को आगे आना होगा। राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय हरलालका ने कहा कि सम्मेलन मेडिक्लेम की तरह है जो विपत्ति के समय भी समाज के साथ खड़ा होता है। प. बंग प्रादेशिक सम्मेलन के अध्यक्ष विजय डोकानिया ने कहा कि विवाह समारोहों में मद्यपान करने से हमें परहेज करना चाहिए। विजय गुजरवासिया ने कहा कि समाज में बढ़ी तलाक की समस्या के लिये हमें सोचना चाहिए। नन्दकिशोर अग्रवाल ने कहा कि समाज के सभी लोगों को साथ लेकर चलना ही हमारा उद्देश्य है। इस मौके पर रमन विदावतका, अशोक गुप्ता, मनोज संघई आदि ने भी वक्तव्य रखा। संचालन संजय हरलालका तथा धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष कैलाशपति तोदी ने किया। इस मौके पर राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री दामोदर प्रसाद विदावतका एवं दिनेश जैन, संदीप सेक्सरिया, रामनिवास चोटिया, उमेश केडिया, टिकम अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, पवन मोदी, प्रमोद गोयनका, संजय शर्मा, राजेश अग्रवाल, रवि लोहिया, शिव कुमार बागला, सुरेश अग्रवाल, ईश्वरी प्रसाद, सुभाष जैन, आर. पोद्दार, अमित कोचर, अमर कुमार, राम प्रताप अग्रवाल, एस. एन. विदावतका, एम. नारसरिया, एस.के. बंका, सुभाष बंका, कमलेश गोयल, वेद रतन रुंगटा, दीपक गोयल सहित अन्य उपस्थित थे।

पत्थर का शोरबा

डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया

(प्रस्तुत लघुकहानी साहसी उद्यमियों के लिये प्रेरणास्पद है और इसका संदेश सर्वकालिक है। संकलन सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया का है। – सम्पादक)

काफी समय पहले, एक छोटे से गाँव में एक किसान ने गाँव के किनारे तीन सैनिकों को देखा। यह जानते हुए कि अब आगे क्या होगा, वह बाजार की ओर जोर-जोर से यह चेतावनी देते हुए भागा, "जल्दी करो, अपने दरवाजे बंद कर लो एवं खिड़कियों पर ताला जड़ दो। तीन भूखे सैनिक आ रहे हैं और वे हमारा सब भोजन ले जायेंगे।"

सैनिक वास्तव में भूखे थे। गाँव में घुसकर वे दरवाजे खटखटाकर कुछ खाने के लिये माँगने लगे। पहले व्यक्ति ने कहा कि उसका कनस्तर खाली है। दूसरे ने भी यही बात कही। अगला दरवाजा तो खुला ही नहीं। अंततः, भूख से व्याकुल एक सैनिक ने कहा, "मेरे पास एक तरकीब है। आओ, हम पत्थर का शोरबा बनायें।"

तत्पश्चात् उसने एक और दरवाजा खटखटाया। उसने गाँववाले से कहा – माफ कीजिएगा, क्या आपके पास एक हंडा और कुछ लकड़ियाँ हैं। हम पत्थर का शोरबा बनाना चाहते हैं।

यह सोचकर कि इसमें कोई खतरा नहीं, गाँववाले ने पूछा – पत्थर का शोरबा? यह तो देखना पड़ेगा! ठीक है, मैं आपकी मदद करूँगा। इस प्रकार उसने सैनिकों को एक हंडा एवं जलावन की कुछ लकड़ियाँ दी। दूसरे गाँववाले ने उसे पत्थर के तीन बड़े-बड़े टुकड़े एवं थोड़ा पानी दिया।

सैनिकों ने पानी को उबाला एवं तीनों बड़े पत्थरों को बर्तन में रख दिया। पूरे गाँव में खबर फैल गयी। गाँववाले धीरे-धीरे वहाँ एकत्रित होने लगे। उन्हें आश्चर्य हुआ – पत्थर का शोरबा, यह तो हमें देखना पड़ेगा। हमने तो यह कल्पना भी नहीं की थी कि पत्थर से भी शोरबा बनाया जा सकता है। सैनिकों ने उत्तर दिया – अवश्य बनाया जा सकता है।

एकत्रित समुदाय में से, खड़े-खड़े शिथिल एक गाँववाले ने अंततः पूछा, "क्या हम आपकी कोई मदद कर सकते हैं?" एक सैनिक ने कहा – शायद, अगर आपके पास बचे हुए कुछ आलू हों तो शोरबे का स्वाद कुछ बढ़ जायेगा। गाँववाला तुरंत कुछ आलू ले आया और उन्हें उबलते हुए पत्थरों के साथ मिला दिया गया।

फिर दूसरे गाँववाले ने पूछा, "मैं आपकी किस प्रकार मदद कर सकता हूँ?" सैनिक ने कहा कि एक दर्जन गाजर हों तो शोरबे का स्वाद और भी अच्छा हो जायेगा। गाँववाला गाजर ले आता है। शीघ्र ही, इसी प्रकार, अन्य लोग जौ, लहसुन, प्याज आदि शोरबे में मिलाने लायक दूसरी वस्तुएँ भी ले आये।

कुछ समय के बाद एक सैनिक ने आवाज लगायी कि शोरबा तैयार है और शोरबे के स्वाद का आनन्द लेने के लिये सबमें उसे बाँटा। गाँववाले कहने लगे, "पत्थर का शोरबा! इसका गजब का स्वाद है। हमें तो पता ही नहीं था।"

<u>यह क्यों एक अच्छी उपमा है</u>

मेरा विश्वास है कि 'पत्थर का शोरबा बनाना' (असम्भवप्राय) ही एक उद्यमी के लिए एकमात्र तरीका है जिसके द्वारा वह किसी बड़े एवं साहसिक कार्य में सफल हो सकता है।

पत्थर, निःसंदेह, आपका जुनून, आपकी मेहनत एवं आपकी साहसिक कल्पना है; गाँववालों का योगदान आपके निवेशकों एवं रणनीतिक साझेदारों द्वारा प्रदत्त पूँजी, संसाधन एवं बौद्धिक समर्थन है। जो भी आपको पत्थर का शोरबा बनाने में मदद कर रहा है, वह आपके सपनों को साकार करने में सहयोग कर रहा है।

परन्तु सबसे अधिक महत्वपूर्ण है आपका जुनून। लोग जुनून से प्यार करते हैं। वे आपके जुनून में योगदान करना चाहते हैं। जुनून कृत्रिम रूप से भी प्रदर्शित किया जा सकता है किन्तु लोग समझ जाते हैं, आप इसमें जालसाजी नहीं कर सकते।

<u>जुनून उससे अधिक जटिल है जितना लोग समझते हैं</u>

डेलॉयट सेन्टर के जॉन हेगल कहते हैं, "जो व्यक्ति जुनून पर पूर्ण विश्वास रखते हैं, उन्हीं पर भरोसा किया जा सकता है। इस प्रकार के व्यक्ति सिलिकॉन वैली में कई हैं। ये महान उद्यमी हैं जो अपने जुनून पर, रास्ते पर पूर्ण विश्वास करते हैं एवं किसी भी प्रकार के अन्य विचार या सलाह से विचलित नहीं होते। वे पूर्ण रूप से आत्मकेंद्रित हैं।"

जुनूनी लोग अपने लक्ष्यप्राप्ति के लिए आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था करने में उत्कृष्ट श्रेणी के सृजनसील होते हैं।

हेगल कहते हैं – "ये अपने जुनून से, अपरिहार्य रूप से, ऐसे आकाशदीपों की स्थापना करते हैं जो समान दृष्टिकोण वालों को आकर्षित करते हैं। इन आकाशदीपों में से बहुत कम जान-बूझकर स्थापित किए जाते है, वस्तुतः ये उद्यमी द्वारा अपने जुनून को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया के प्रतिफल हैं। **जुनूनी लोग अपने सृजन को व्यापक रूप से बाँटते हैं और दूसरों के अनुसरण हेतु पदचिह्न छोड़ जाते हैं।"** ★ ★ ★

अध्यक्षीय

वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया

– प्रह्लाद राय अगरवाला

गत १८ जून को राँची मे अखिल भारतीय समिति की बैठक सम्पन्न हुई। झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आयोजित यह बैठक अत्यंत सफल रही। प्रादेशिक अध्यक्ष की गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया बधाई के पात्र हैं, जिन्होंने तत्परता के साथ इस बैठक का आतिथ्य करना स्वीकार किया। इस बैठक के आयोजन के दौरान स्नेहयुक्त सुव्यवस्था का सुखद अनुभव हुआ, उसके लिए झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के सभी पदाधिकारियों, सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं को मैं धन्यवाद प्रेषित करता हूँ। बैठक में अनेक प्रादेशिक अध्यक्षों, पदाधिकारियों ने भाग लिया। ऐसी बैठकों में सभी प्रांतो के उपस्थित सदस्यों, पदाधिकारियों से व्यक्तिगत सम्पर्क प्रगाढ़ होने का अवसर मिलता है। झारखंड उच्च न्यायालय के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश श्री रमेश मेरठिया जी का सम्मान किया गया।

बैठक में सभी प्रदेशों के प्रतिनिधिओं ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किये। प्रांतो में सम्मेलन भी गतिविधियाँ जारी हैं। वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान निषेध का ऐतिहासिक प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। दूसरे सत्र में 'राष्ट्रनिर्माण में मारवाड़ी समाज का योगदान' विषय पर परिचर्चा हुई। इसमें झारखंड सरकार के मंत्री श्री सरयू राय, धनबाद के मेयर श्री चन्द्रशेखर अग्रवाल एवं राँची के डिप्टी मेयर श्री संजीव विजयवर्गीय के साथ सम्मेलन के सदस्यों ने भी भाग लिया। राँची में आयोजित कार्यक्रम का समाचार स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता के साथ प्रकाशित हुआ। प्रदेश में समाज के महत्व को यह दर्शाता है।

मद्यपान पर पारित प्रस्ताव सभी सदस्यों एवं समाजबंधुओं से अनुरोध करता है कि वे ऐसे वैवाहिक कार्यक्रमों में भाग लेने से बचें, जहाँ पर काकटेल पार्टी या मद्यपान की व्यवस्था हो। जैसा हम जानते हैं कि विगत कई वर्षों से सम्मेलन इस बारे में प्रयत्नशील रहा है कि वैवाहिक कार्यक्रमों मे मद्यपान का प्रचलन बंद हो। इस दिशा में यह प्रस्ताव मील का पत्थर साबित होगा। राँची की बैठक के बाद, हाल ही में सम्मेलन की समाज सुधार उपसमिति ने इस दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। इस प्रस्ताव को लागू करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। सभी प्रादेशिक इकाईयों से अनुरोध किया गया है कि इस कार्यक्रम को सफल करने के लिए पूरा जोर लगाया जाय। इसी संदर्भ में कोलकाता के सामाजिक संगठनों के साथ भी बैठक आयोजित की जा रही है। इस कार्यक्रम को व्यापक बनाने के सभी समाजबंधुओं का सहयोग आवश्यक है। यह हर्ष का विषय है कि इस कार्यक्रम के प्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। समाज विकास के माध्यम से मैं सभी समाजबंधुओं से अपील करता हूँ कि वे अपने वैवाहिक कार्यक्रमों में मद्यपान की व्यवस्था न करें। यह हमारे आधारभूत मान्यताओं एवं संस्कारों के विपरीत है। समाज में किसी प्रकार का टकराव न हो, इसके लिए हमें सजग रहना होगा। हमारा कार्यक्रम शालीनता के साथ हो, यह हमें सुनिश्चित करना होगा। सम्मेलन पूरे समाज की मंगलकामना करता है। जब-जब समाज पर विकृतियाँ हावी हुई हैं, सम्मेलन ने विरोध के स्वर उठाये हैं। समाज सुधार के पिछले कई कार्यक्रम समाजबंधुओं के सहयोग मे सफल हुए हैं। मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि यह कार्यक्रम भी सफल होगा।★★★

Translating dreams into reality

for a perpetual smile on every face

S. R. RUNGTA GROUP

Cares for the land and its people

MINING, STEEL & POWER

Rungta House, Chaibasa, Jharkhand - 833201

वैवाहिक समारोहों में मद्यपान निषेध हेतु प्रस्ताव हुआ पारित

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक गत १८ जून २०१७ को, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, कांके रोड, राँची स्थित होटल होलीडे होम में आयोजित की गयी। यह समिति की वर्तमान सत्र की तीसरी बैठक थी। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने की।

बैठक का शुभारम्भ **श्रीमती लीपिका बंका** एवं **श्रीमती निशा झुनझुनवाला** द्वारा प्रस्तुत गणेश-वंदना से हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे झारखंड उच्च न्यायालय के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश एवं वर्तमान में झारखंड उपभोक्ता विवाद निपटारा आयोग के अध्यक्ष **श्री रमेश मेरठिया** ने, सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ, दीप प्रज्वलित कर बैठक का विधिवत उद्घाटन किया। झारखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों/कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ देकर सभी का स्वागत किया।

अपने स्वागत वक्तव्य में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने झारखंड प्रान्तीय मारवाड़ी सम्मेलन को अखिल भारतीय समिति के बैठक के आतिथ्य का अवसर दिए जाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में प्रान्तीय सम्मेलन के सदस्यता अभियान को आशातीत सफलता मिली है। उन्होंने झारखंड सम्मेलन के भावी कार्यक्रमों के विषय में संक्षेप में बताया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला ने अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में सभी उपस्थितों का स्वागत किया और बैठक के आतिथ्य के लिए झारखंड सम्मेलन का आभार व्यक्त किया। श्री अगरवाला ने वर्तमान सत्र की सम्मेलन की गतिविधियों पर प्रकाश डाला और संगठन-विस्तार पर बल दिया। उन्होंने कहा कि न सिर्फ सम्मेलन की सदस्यता बढ़ाना बल्कि समान विचार वाली समाज की अन्य संस्थाओं और समाज के हर तबके को अपने साथ लेने का प्रयास होना चाहिए। समाज सुधार के विषय पर बोलते हुए श्री अगरवाला ने अपनी भाषा, संस्कृति, संस्कार एवं आदर्श की रक्षा को प्रत्येक समाजबंधु के हित में बताया। वर्तमान समय में समाज के समक्ष चुनौतियों की चर्चा करते हुए उन्होंने सर्वस्तरीय प्रयास को आवश्यक बताया।

उद्घाटन सत्र का संचालन पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** एवं समिति की बैठक का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने किया। श्री लोहिया ने अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक (११ दिसम्बर २०१६; पटना) का कार्यवृत प्रस्तुत किया, जिसे सभा ने पारित किया। उन्होंने अखिल भारतीय समिति की पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों पर **'महामंत्री की रपट'** और अखिल भारतीय समिति द्वारा वर्तमान सत्र में

लिए गए निर्णयों पर **'कार्यवाही की रपट'** भी प्रस्तुत की। श्री लोहिया ने प्रान्तीय पदाधिकारियों से अनुरोध किया की संस्थागत सम्बद्धता, जिसका सम्मेलन के संविधान में प्रावधान है, को स्थानीय स्तर पर बढायें। उन्होंने केन्द्रीय सम्मेलन द्वारा प्रान्तीय शाखाओं को प्रेषित वर्षव्यापी कार्यक्रम पर भी विचार कर क्रियान्वित करने का अनुरोध किया।

सम्मेलन की वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** ने सम्मेलन की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की। उन्होंने 'समाज विकास' में विज्ञापन-सहयोग के लिए सभी उपस्थितों से अनुरोध किया।

केन्द्रीय एवं प्रान्तीय पदाधिकारियों ने विशिष्ट अतिथि श्री रमेश मेरठिया का सम्मान किया। उन्हें पगड़ी, मेमेन्टो, शाल एवं पुष्प-गुच्छ भेंट किया गया।

कार्यसूची के अनुसार, 'राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय सम्मेलनों की सांगठनिक स्थिति पर विचार-विमर्श' पर चर्चा में भाग लेते हुए सम्मेलन पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि राष्ट्रीय एवं प्रान्तीय स्तर पर नयी पीढ़ी को सम्मेलन के विषय में बताना आवश्यक है। सम्मेलन की भूमिका एक कार्यशाला की है एवं यह सदैव देता है। बाल-विवाह एवं पर्दाप्रथा को रुकवाने, विधवा-विवाह प्रारम्भ कराने तथा कन्या शिक्षा के समर्थन में सम्मेलन की अग्रणी भूमिका रही है। सम्मेलन सामाजिक कुरीतियों के विषय में सदैव सचेत रहा है और उनके निवारण का प्रयास करता रहा है।

श्री सीताराम शर्मा ने वैवाहिक समारोहों में मद्यपान के बढ़ते प्रचलन को समाज हेतु अत्यंत चिंताजनक बताते हुए निम्नलिखित प्रस्ताव रखा:

"अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं उसके सभी प्रांतीय/जिला/नगर/ग्राम, हर स्तर के सदस्य ऐसे किसी वैवाहिक समारोह में शामिल नहीं होंगे जहाँ कॉकटेल (मद्यपान) की व्यवस्था रहेगी। निमंत्रण प्राप्त होने पर वर-वधू को आशीर्वाद का पत्र लिखकर उक्त कारण से समारोह में उपस्थित नहीं होने के लिये क्षमायाचना करेंगे। विवाह-स्थल पहुँचने पर ज्ञात होने पर वे शांति एवं शालीनतापूर्वक बाहर निकल जायें। वापसी पर चाहें तो निकल जाने का कारण बताते हुए अपनी असमर्थता की चर्चा करते हुए क्षमायाचना कर लें।"

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नन्दलाल रुँगटा** ने प्रस्ताव का अनुमोदन किया और यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ। प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के कोल्हान प्रमंडल के उपाध्यक्ष **श्री गोपाल झुनझुनवाला** ने इसे सुसामयिक कदम बताते हुए इसका स्वागत किया। झारखंड सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष **श्री भागचंद पोद्दार** ने सुझाव दिया कि इस प्रस्ताव की प्रतियाँ प्रकाशित कर सम्मेलन की प्रत्येक शाखा को भेजी जायें। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नन्दलाल रुँगटा ने कहा कि सभी परिवारों को यह तय करना चाहिए कि वे वैवाहिक कार्यक्रमों में शराब नहीं देंगे और सम्पन्न समाजबंधुओं को इस मामले में पहल करनी चाहिए। उन्होंने सामाजिक पत्रिकाओं के माध्यम से इस विषय पर प्रचार-प्रसार की सलाह दी।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला** ने बिहार सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में बताते हुए कहा कि प्रतिवर्ष समाज-रत्न सम्मान, लाइफटाइम एचिवमेंट अवार्ड एवं मेधावी छात्र-छात्राओं हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है। आडम्बर निवारण गोष्ठी, जिसके संयोजक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** हैं, का आयोजन भी प्रतिवर्ष किया जाता है, आंशिक

सफलता भी मिली है। वैवाहिक समारोहों में छः सूत्री कार्यक्रम लागू करने का प्रयास किया जाता है। मारवाड़ी युवक-युवतियों को रोजगार-प्राप्ति में सहयोग हेतु रोजगार समिति की स्थापना की गई है जिसने अब तक ३८ प्रत्याशियों को काम पर रखवाया है। प्रादेशिक कार्यकारिणी की बैठक प्रमंडलों में की जाती है। वर्तमान सत्र में प्रादेशिक अध्यक्ष द्वारा ९६ शाखाओं का दौरा किया गया है। बिहार सम्मेलन राजनीति में समाज की भागीदारी के विषय में सचेत है। **बिहार में हाल में ही आयोजित निकाय चुनावों में समाज के ८७ उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा, जिसमें से ४९ ने विजय प्राप्त की।** बिहार सम्मेलन की नई निर्देशिका हाल में ही प्रकाशित की गयी है। श्री झुनझुनवाला ने अखिल भारतीय समिति के विचार हेतु निम्नलिखित प्रस्ताव रखे :

(१) अखिल भारतीय समिति के चुनाव में प्रत्येक प्रादेशिक शाखा से सदस्यता की हरेक श्रेणी से अधिकतम २५ सदस्यों के चुनाव का प्रावधान है। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन यह प्रस्तावित करता है कि सम्मेलन के संविधान की धारा ९(५)(क) में दिए गए अनुपात में, श्रेणी-विशेष में प्रादेशिक शाखा के सदस्यों की संख्या के आधार पर उस श्रेणी-विशेष से अखिल भारतीय समिति के सदस्यों की संख्या तय होनी चाहिए और इसकी कोई अधिकतम सीमा नहीं होनी चाहिए।

(२) अखिल भारतीय समिति के सदस्यों के चुनाव की प्रक्रिया काफी जटिल है। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन प्रस्तावित करता है कि इसे सरल बनाने का प्रयास करना चाहिए।

(३) राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव हेतु एक ही मतदान केन्द्र होता है, जिससे दूर-दराज के मतदाताओं को मतदान करने में कठिनाई होती है। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन प्रस्तावित करता है कि मतदान केन्द्र सभी राज्यों के मुख्यालयों में होना चाहिए। इससे मतदाताओं को सुविधा तो होगी ही, साथ ही मतदान का प्रतिशत भी बढ़ेगा।

(४) राष्ट्रीय अथवा प्रादेशिक अध्यक्ष का कार्यकाल वर्तमान में दो वर्षों का होता है। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन प्रस्तावित करता है कि आगामी सत्र से अध्यक्ष का कार्यकाल दो वर्ष से बढ़ाकर तीन वर्ष किया जाये।

इन प्रस्तावों पर विचार-विमर्श के बाद यह निर्णय लिया गया कि चूँकि विषय सभी प्रादेशिक शाखाओं से सम्बंधित हैं और इन निर्णयों हेतु संविधान संशोधन की आवश्यकता होगी, इन पर अन्य प्रादेशिक शाखाओं का भी अभिमत माँगा जाये और तत्पश्चात् इन्हें कार्यसूची में शामिल कर विचार किया जाये।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** ने उत्कल सम्मेलन की गतिविधियों के विषय में बताते हुए मलेच्छामुंडा गांव में युवा मंच के पूर्व अध्यक्ष के चारवर्षीय पुत्र के अपहरण एवं हत्या तथा भद्रक शहर में साम्प्रदायिक दंगों से उत्पन्न स्थितियों और शान्ति-व्यवस्था बहाल करने तथा प्रभावित समाजबंधुओं को सहयोग हेतु सम्मेलन द्वारा उठाये गए कदमों के विषय में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि उत्कल सम्मेलन सक्रिय संगठन-विस्तार, मारवाड़ी शिक्षा विकास ट्रस्ट के माध्यम से मेधावी और जरूरतमंद छात्र-छात्राओं को मदद, वृक्षारोपण, पर्यावरण सुरक्षा, महिला सशक्तिकरण एवं कन्या-भ्रूण संरक्षण जागरूकता अभियान, रक्तदान शिविरों का आयोजन, स्थापना दिवस

(२५ दिसम्बर) वरिष्ठ नागरिक दिवस के रूप में मनाना, आदि कार्यक्रम सुचारू रूप से चला रहा है। गत मई माह में कटक के करीब बिलतरूआ गाँव में आग लगने से प्रभावित लोगों की सम्मेलन द्वारा मदद की गयी। १ जुलाई २०१७ से, देश भर में जी.एस.टी. लागू होने के आलोक में, विभिन्न शाखाओं द्वारा जी.एस.टी. कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। श्री अग्रवाल ने अखिल भारतीय समिति की आगामी बैठक, उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में, पुरी में आयोजित करने का अनुरोध किया।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष **श्री नंद किशोर अग्रवाल** ने पश्चिम बंग सम्मेलन के भावी कार्यक्रमों की संक्षिप्त रूप-रेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि प्राथमिक तौर पर अधिक से अधिक लोगों को सम्मेलन से जोड़ना एवं कम से कम नये १,१०० सदस्य बनाना उनका लक्ष्य होगा। श्री अग्रवाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सम्मेलन की शाखाएँ कम हैं और प्रत्येक जिले में शाखा खोलकर अधिकाधिक समाजबन्धुओं को सम्मेलन से जोड़ना उनके लक्ष्यों में होगा। उन्होंने मनोनीत प्रादेशिक पदाधिकारियों के नामों भी की घोषणा की।

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री **श्री बसन्त कुमार मित्तल** ने बताया कि प्रांतीय सम्मेलन के संविधान के संशोधन का कार्य पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि नयी पीढ़ी को सम्मेलन की मुख्य धारा में किस प्रकार लायें, यह समाज के लिये विचारणीय प्रश्न है। समाज में मृत्युभोज के बढ़ते चलन पर भी उन्होंने चिन्ता व्यक्त की तथा इस पर नियंत्रण को आवश्यक बताया।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने कहा कि देश में लगभग ६०० जिले हैं और सभी जिलों में सम्मेलन की इकाई स्थापित करना आवश्यक है।

बैठक के अंत में झारखंड सम्मेलन के महामंत्री श्री बसन्त कुमार मित्तल ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्री शिव कुमार लोहिया ने कुशल आतिथ्य हेतु झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का आभार ज्ञापित किया।

बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री संजय हरलालका, झारखंड सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष श्री राज कुमार केड़िया, बिहार सम्मेलन के महामंत्री श्री ओम प्रकाश टिबडेवाल, डॉ. जुगल किशोर सराफ, सर्वश्री वेद प्रकाश अग्रवाल, धर्मचन्द जैन रारा, महाबीर सिंघानिया, प्रकाश चन्द बजाज, ओम प्रकाश 'प्रणव', राधाकिशन सफ्फड, संदीप सेक्सरिया, रतनलाल बंका, कमल कुमार केड़िया, गणेश कुमार खेमका, कृष्ण कुमार डोकानिया, लक्ष्मी नारायण डोकानिया, नन्द किशोर पाटोदिया, सुदेश अग्रवाल, संजय शर्मा, उमेश कुमार शाह, पवन कुमार पोद्दार, रवि शर्मा, अशोक कुमार बंसल, ओम प्रकाश अग्रवाल, गोपीराम धुवालिया, गोपाल अग्रवाल, श्रीगोपाल झुनझुनवाला, संतोष रुँगटा, महाबीर जाजू, मनोज कुमार अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, नंदलाल सिंघानिया, धर्मचन्द बजाज, सज्जन बेरीवाल आदि उपस्थित थे। विशिष्ट आमंत्रित के रूप में कोलकाता से श्रीमती मंजु डोकानिया एवं उत्कल सम्मेलन से श्री ओ.पी. खण्डेलवाल तथा श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल ने बैठक में भाग लिया।

राँची में अखिल भारतीय समिति में पारित प्रस्ताव

"अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं उसके सभी प्रांतीय/जिला/नगर/ग्राम, हर स्तर के सदस्य ऐसे किसी वैवाहिक समारोह में शामिल नहीं होंगे जहाँ कॉकटेल (मद्यपान) की व्यवस्था रहेगी। निमंत्रण प्राप्त होने पर वर-वधू को आशीर्वाद का पत्र लिखकर उक्त कारण से समारोह में उपस्थित नहीं होने के लिये क्षमायाचना करेंगे। विवाह-स्थल पहुँचने पर ज्ञात होने पर वे शांति एवं शालीनतापूर्वक बाहर निकल जायें। वापसी पर चाहें तो निकल जाने का कारण बताते हुए अपनी असमर्थता की चर्चा करते हुए क्षमायाचना कर लें।"

प्रांतीय समाचार : बिहार

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा प्रतिभावान छात्र छात्राओं को लगातार ९ वें वर्ष कल दिनांक २ जुलाई को पटना के बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स के सभागार में सम्मानित किया गया इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रादेशिक अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुनझुनवाला द्वारा की गई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आदरणीय आचार्य श्री चंद्र भूषण जी मिश्र।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के समाज सेवा कार्यक्रमों के अन्तर्गत रथ यात्रा के अवसर पर सभी यात्रियों और श्रद्धालुओं को शिकंजी, शर्बत और पेयजल की व्यवस्था संयुक्त रूप से स्थानीय साल्टलेक सांस्कृति संसद के सहयोग से की गई।

आज २ जुलाई, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन (हावड़ा) व प्रयास (बेलूड़) के संयुक्त तत्वावधान में लिलुआ के डॉन बॉस्को के समीप स्थित गुरुकुल विद्यापीठ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन की हावड़ा शाखा के अध्यक्ष संजय भरतिया, किशन किल्ला, संजीव केडिया, प्रकाश किला, सुरेंद्र अग्रवाल, सुशील कुमार झाझरिया, ओमप्रकाश केडिया, नरेंद्र अग्रवाल, ओम प्रकाश शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित हावड़ा नगर निगम के पार्षद राजीव थमन, अनीता सिंह, सीमा भौमिक, व अन्य अतिथियों का स्वागत किया। उपस्थित पार्षदों ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। प्रकाश किला ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में ललित नेवटिया, सरिता टिबड़ेवाल, कमल कंदोई, राजेश कंकरानीया, सौरव अग्रवाल, गणेश केडिया, आनंद अग्रवाल, शंभू मोदी, कुसुम मोदी, राशि अग्रवाल, शालू बहल, नवीन अग्रवाल व अन्य सदस्यों का प्रमुख योगदान रहा। इस अवसर पर उपस्थित समाज सेवी नीलिमा सिन्हा, विभा सिंह, जशवंत सिंह, दुर्गावती सिंह व अन्य ने लोगों से रक्तदान के लिए अपील की। लायंस क्लब के ब्लड बैंक द्वारा रक्त संग्रह किया गया। इस आशय की जानकारी प्रकाश किला ने दी।

समाचार सार

श्रद्धांजलि

मूर्धन्य कवि **गुलाब खण्डेलवाल** का ९४ वर्ष की अवस्था में गत ०३ जुलाई २०१७ को अमेरिका के ओहियो नगर में देहावसान हो गया। अपनी दीर्घ साहित्य साधना में खण्डेलवाल जी ने गीत, गज़ल, दोहा, मुक्तक, सोनेट, गीतिनाट – आदि विविध काव्य रूपों पर अधिकारपूर्वक लेखनी चलाकर लगभग ७० कृतियों की रचना की। महाकाव्य, खण्डकाव्य, मुक्तककाव्य आदि में उन्हें सिद्धि प्राप्त थी। हिन्दी गज़लों को उन्होंने नयी ऊँचाई प्रदान की। अपनी ही पंक्ति "नहीं विराम लिया हैं, ज्यों-ज्यों दिवस ढल रहा है। मैंने चलना तेज किया है...." को सार्थक करते हुए अंतिम सांस तक सृजनरत रहे। उनकी मार्मिक पंक्तियाँ हैं जो मृत्यु पर केन्द्रित है –

फूलों की तरह हँसकर बिखर जाएँगे
बच्चों की तरह दौड़ कर घर जाएँगे
तुम क्यों हो परेशान, अभी से ऐ दिल
मौत आयेगी तो शान से मर जाएँगे

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की हार्दिक पुष्पांजलि!

प्रांतीय समाचार : दिल्ली

दक्षिण दिल्ली शाखा की स्वास्थ्य एवं योग-सम्बंधी कार्यक्रम

मारवाड़ी सम्मेलन दक्षिण दिल्ली शाखा द्वारा Health Psychology & Rajyoga Meditation "Calm in Crisis" कार्यक्रम का आयोजन बलवंतराय ऑडिटोरियम, ग्रेटर कैलाश-2, न्यू दिल्ली में मारवाड़ी युवा मंच व वैश्य फेडरेशन के साथ किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में **श्री श्याम जाजू** (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी), व सम्मानीय अतिथि के रूप में **श्री राम कैलाश गुप्ता, डॉ. एस. एन. चाण्डक**, व **श्री एन. डी. गुप्ता** की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रोफेसर **ई. वी. स्वामीनाथन** थे जो एक विख्यात मोटिवेशनल वक्ता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रो. स्वामीनाथन ने क्राइसिस की स्थिति में योग व मेडिटेशन द्वारा सामान्य रहने की विभिन्न प्रकार के तरीकों को समझाया तथा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्ति हेतु व दैनिक आचरण में सकारात्मक बदलाव हेतु सुझाव व चर्चा की। उन्होंने इंसान को अपनी नकारात्मक विचारधाराओं से परे हटकर सकारात्मक रूख अपनाने पर जोर दिया तथा सकारात्मक ऊर्जा के संचार हेतु योग के महत्व को समझाया व योग की विभिन्न प्रणालियों का अभ्यास भी करवाया।

यह कार्यक्रम वहाँ उपस्थित सभी लोगों के लिए बेहद लाभदायक था। 500 से अधिक लोगों ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया व प्रसाद ग्रहण किया तथा इस आयोजन के लिए संस्थाओं को धन्यवाद दिया।

शाखा अध्यक्ष **श्री विनोद किला** ने इस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए शाखा पदाधिकारियों श्री बिरेंद्र बाजोरिया, श्री मनोज थरड़, श्री सुरेश दुगड़, श्री अनिल बंसल, श्री शिव महिपाल, श्री प्रमोद अग्रवाल, श्री प्रदीप शर्मा, श्री आशीष किला, श्री सुमित लाहोटी, श्री सुंदर लाल शर्मा, श्री विकास गोगासरिया, श्री विनीत अग्रवाल व श्री सुशील सारडा के प्रयासों की सराहना की व बधाई दी।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

शिलांग में हिंसा

पूर्वोत्तर सम्मेलन का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का एक प्रतिनिधि मंडल असम एवं मेघालय के राज्यपाल महामहिम श्री बनवारी लाल पूरोहित से मुलाकात कर शिलांग, मेघालय में मारवाड़ी व्यापारिक संस्थानों पर बम आदि से घातक प्रहार की घटनाओं की ओर उनका ध्यान आकृष्ट किया।

प्रतिनिधिमंडल ने शिलांग में मारवाड़ी समाज के प्रतिष्ठानों पर पिछले कुछ दिनों से हो रहे हमलों पर चिंता जाहिर करते हुए उनसे सुरक्षा की गुहार लगाई। इस मौके पर उन्हें एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

मालूम हो कि पुरोहित के पास मेघालय के राज्यपाल का अतिरिक्त दायित्व भी है। राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यान से सुना और हिंसा व धन उगाही की हर घटना की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि थाने में मामला दर्ज नहीं कराने से प्रशासन दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में स्वयं को असमर्थ पाता है। उल्लेखनीय है कि मेघालय के रि-भोई जिले के बर्नीहाट तक रेलवे लाइन बिछाने की परियोजना का खासी स्टूडेंट्स यूनियन सहित कई अन्य संगठन विरोध कर रहे हैं। मारवाड़ी समुदाय के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों पर हो रहे हमलों की इन प्रदर्शनों से भी जोड़कर देखा जा रहा है। प्रतिनिधिमंडल में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ओंकारमल आगरवाला, प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया, महामंत्री प्रमोद तिवाड़ी, राजनीतिक चेतना समिति के संयोजक गौरव सोमानी के अलावा प्रांतीय इकाई के मुख्य सलाहकार शिव भगवान शर्मा शामिल थे।

इस दुरूह घटना की विस्तृत जानकारी के साथ एक ज्ञापन राज्यपाल महोदय को दिया गया। श्री पुरोहित ने इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन दिया।

Empowering Entrepreneurs to shape the future

Financing of equipment, new and old, across diverse sectors :

Infrastructure | Construction | Mining | Information Technology | Healthcare | Agriculture

SREI BNP PARIBAS

SREI

Holistic Infrastructure Institution

Infrastructure Equipment Finance | Project Finance, Advisory and Development | Venture Capital | Capital Market | Sahaj e-Village | QUIPPO – Equipment Bank | Insurance Broking

संगोष्ठी

खतरे उठाने से नहीं डरता मारवाड़ी समाज : मंत्री सरयू राय

"भारत और विश्व के विभिन्न भागों को अपना कर्मक्षेत्र बना चुके, वहाँ पीढ़ियों से बसे मारवाड़ी अब प्रवासी नहीं रहे बल्कि स्थानीय लोगों के साथ समरस होकर स्थानीय हो गये हैं और जहाँ भी रहते हैं, उस स्थान की सर्वांगीण प्रगति में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। मारवाड़ियों की ये विशेषता है कि उनमें जोखिम उठाने की क्षमता है, वे खतरों से नहीं डरते।" ये उद्‌गार हैं झारखंड के संसदीय कार्य, खाद्य, जनवितरण एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री **श्री सरयू राय** के जो उन्होंने झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गत १८ जून २०१७ को कांके रोड, राँची स्थित होटल होलीडे होम में आयोजित **'राष्ट्रनिर्माण में मारवाड़ी समाज का योगदान'** विषयक संगोष्ठी को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए प्रकट किए। श्री राय ने कहा कि जो समाज अपने जड़ से कट जाते हैं, उनके आगे बढ़ने की सीमा होती है। मारवाड़ी अपने जड़ से जुड़े हुए हैं, इसीलिए हरे-भरे हैं। नयी पीढ़ी के समक्ष चुनौतियाँ आती हैं और उन्हें उनका सामना करना पड़ता है। समाज को चाहिए कि जिस मुख्यधारा से वे आये हैं, वह समाज के लिये सदैव मुख्य बना रहे। समाज के युवाओं को नयी तकनीकों का लाभ उठाने के लिये आवश्यक कौशल हासिल करना होगा और उसका लाभ उठाना होगा।

संगोष्ठी का विषय-प्रवर्तन करते हुए सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष, वरिष्ठ पत्रकार-लेखक एवं समाजचिन्तक **श्री सीताराम शर्मा** ने सम्मेलन और मारवाड़ी समाज के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि समाज एवं सम्मेलन राष्ट्र-निर्माण में सदैव सहायक रहा।

अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री प्रह्लाद राय अगरवाला** ने कहा कि स्वतंत्रता-संग्राम से लेकर स्वतंत्रता के बाद राष्ट्र के निर्माण में मारवाड़ी समाज ने अग्रणी भूमिका निभाई है। मारवाड़ी जहाँ कहीं भी जाते हैं, वहाँ दूध में शक्कर की तरह धुल-मिल जाते हैं और उस स्थान के सर्वांगीण विकास में महती भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि अत्यंत हर्ष का विषय है कि समाज की नयी पीढ़ी अत्यंत प्रतिभावान है और अपनी विरासत को आगे बढ़ाते हुए, हर क्षेत्र में प्रगति कर रही है। आज मारवाड़ी समाज व्यवसायों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि उच्च सरकारी नौकरियों, सी.ए., वकील, सेवा के अन्य क्षेत्रों एवं उच्च शिक्षा में भी हमारे युवक-युवतियाँ अपना लोहा मनवा रहे हैं।

संगोष्ठी में धनबाद के मेयर **श्री चन्द्रशेखर अग्रवाल** एवं राँची के डिप्टी मेयर **श्री संजीव विजयवर्गीय** ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया। श्री चन्द्रशेखर अग्रवाल ने कहा कि मारवाड़ी समाज बाँट कर खाता है, हम दूसरे के लिये कार्य करते हैं और जीते हैं। समाज के श्री मदनलाल अगरवाला ने दबे-कुचलों की पीड़ा समझी और एकल विद्यालय का शुभारम्भ किया जो कार्यक्रम आज भारत के हजारों गाँवों में चल रहा है। उन्होंने कहा कि समाज के बच्चों की प्रतिभा प्रखर है किन्तु अभाव के कारण प्रतिभाएँ दम तोड़ देती हैं, इसके लिये समाज

को चिन्तन करने की आवश्यकता है। श्री संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि मारवाड़ी हरेक क्षेत्र में अव्वल स्थान पर रहे हैं, इनमें नेतृत्व की क्षमता है। समाज के बच्चे तेजी से उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। समाज पहले व्यापारी था, अब युवक-युवतियाँ आई.सी.एस.ई., सी.बी.एस.ई., यू.पी.एस.सी. आदि में शीर्ष स्थान प्राप्त कर रहे है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री कमल नोपानी** ने कहा कि सेवा, परिश्रम एवं सरलता मारवाड़ी समाज की विशिष्टताएँ हैं। सेवा में क्षेत्र में गोशाला, पुस्तकालय, धर्मशाला, अस्पताल, प्याऊ आदि स्थापित करने में मारवाड़ियों का अग्रणी स्थान है और हर प्रकार से उन्होंने राष्ट्र-निर्माण में अग्रणी योगदान किया है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री शिव कुमार लोहिया** ने कहा कि मारवाड़ी की विशिष्टता उसकी माटी की विशिष्टता के कारण है। जहाँ रहता है वहाँ के समाज से समरस तो होता है किन्तु अपनी माटी की विशिष्टताओं को भी बनाये रखता है।

मारवाड़ी अपने सेवाभाव के कारण जाना जाता है। इस सम्बंध में उन्होंने कोलकाता की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटि के आजादी से भी पूर्व एक वार्षिक उत्सव के अवसर पर संदेश के रूप में **कविवर मैथिलीशरण गुप्त** द्वारा भेजी गयी निम्न पंक्तियाँ उद्धृत कीं:

ध्रुव-धन्य हैं वे मारवाड़ी, सुजन मन के भी धनी,
जिनसे रिलीफ सोसाइटि सी, श्रेष्ठ श्रृखलायें बनी।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल** ने कहा कि मारवाड़ी अब प्रवासी नहीं रहे, वे मारवाड़ी-उड़िया या मारवाड़ी-बंगाली हो गए हैं और जहाँ रहते हैं वहाँ की और पूर राष्ट्र की प्रगति हेतु कार्य करते हैं। सम्मेलन के राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री संजय हरलालका** ने कहा कि अपने बच्चों में संस्कार डालना आवश्यक है और हम सभी को इस विषय में सचेत रहना चाहिए। **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने राष्ट्र-निर्माण हेतु सभी के सम्मिलित प्रयास को आवश्यक बताया।

इस अवसर पर झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया** ने संघ लोक सेवा आयोग की प्रतियोगिता में सफल **सुश्री रिया केजरीवाल** (बोकारी) एवं **श्री प्रशांत डालमिया** (मधुपुर), सी.बी.एस.ई. की १२वीं की

परीक्षा में राज्य में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाली **सुश्री मुस्कान खोवाल** (राँची) तथा आई.सी.एस.ई. की परीक्षा में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले **श्री राघव कांवटिया** (जमशेदपुर) को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। श्री गाड़ोदिया ने उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले इन युवक-युवतियों को बधाई दी और इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि समाज के छात्र-छात्रा परीक्षाओं में उत्तम प्रदर्शन कर रहे हैं। सम्मान हेतु आभार प्रकट करते हुए सुश्री रिया केजरीवाल ने कहा कि वे पुरस्कार नहीं, आशीर्वाद लेने आयी हैं जो जीवन में उनके लिये मार्गदर्शन बना रहे।

संगोष्ठी में सम्मेलन के केन्द्रीय/प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा मंत्री श्री सरयू राय, मेयर श्री चन्द्रशेखर अग्रवाल एवं डिप्टी मेयर श्री संजीव विजयवर्गीय को सम्मानित किया गया। संचालन झारखण्ड सम्मेलन के महामंत्री श्री बसन्त कुमार मित्तल एवं धन्यवाद-ज्ञापन झारखण्ड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने किया।

Yours Tastefully
Anmol
Enjoy the fresh baked goodness
Butter Bake
2 in 1
Little Sweet
Little Salty
dream LITE
Lemon MAZAA
Marie Plus
Butter Bake
www.anmolindustries.com
Follow us on:

विशाल रथयात्रा पर जगन्नाथपुरी मे सेवा कार्यक्रम

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन कटक शाखा व श्याम परिवार कटक के मिलित सहयोग से लगातार १० वर्षों से जगन्नाथ प्रभु के पावन महापर्व रथयात्रा के दिन सर्वश्रेष्ठ पूरीधाम में भक्तों की सेवा के लिये निशुल्क खाद्य व पेय पदार्थ का शिविर लगाया जाता है। इस वर्ष उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन कटक शाखा द्वारा दिनांक २४.६.२०१७ (शनिवार) के दिन बड़दाण्ड में 'बगला धर्मशाला' के सामने विशाल भजन समारोह का आयोजन किया गया। भारत के सुप्रसिद्ध भजन गायक श्री दिनेश जोशी के नेतृत्व में सहयोगी गायक श्री परम संगानेरिया, निर्मल पूर्वा, कमलू वशिष्ठ, शंभु अग्रवाल, यगवन्ते चौधरी एवं मिरा मोनाली आदि ने प्रभु जगन्नाथ जी के भजनों द्वारा देर रात तक हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों का मनमोह लिया। इस कार्यक्रम का संचालन संस्था के सचिव श्री सुरेश कमानी ने किया। इस कार्यक्रम में कटक मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष श्री विजयजी खण्डेलवाल एवं अन्य समाज बन्धु उपस्थित थे।

दिनांक २५.६.२०१७ (रविवार) श्री जगन्नाथ महाप्रभु के रथयात्रा के अवसर पर बड़दाण्ड स्थित बगला धर्मशाला के सामने सुबह ७ बजे से विशाल निःशुल्क खाद्य व पेय पदार्थ करीव ५०००० भक्तों में वितरण किया गया। उपमा, गुगनी, दही, पाजी, हवा, फ्रुटी व अन्य स्वाद पदार्थ एवं शुद्ध पेय जल वितरण किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थापक अध्यक्ष श्री सूर्यकान्त जी सांगानेरिया शाखा अध्यक्ष – देवकी नन्दन केडिया, शाखा सचिव – सुरेश कमानी कार्यकारी सभापति – पवन तायल व उप-सभापति – दिनेश जोशी, काशीनाथ वथवाल, राजकुमार सुल्तानिया, सुभाष केडिया, पदम भावसिंगका, श्याम सुन्दर गुप्ता, मदनलाल कांवरिया, विनोद कांवटिया, बासुदेव जालान, दिनबन्धु खाण्डल, किशन मोदी, श्रवण सुल्तानिया, राजकिशोर मोदी, राज किशोर, श्रीमनका, मोहित शर्मा, कान्ह कमीनी, संजय अग्रवाल, वेद प्रकाश अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, शैलेष कानोडिया, राजकुमार चौधरी, मुकेश चौधरी, केतुल सेठ, अनुराग सराफ, विनित सेठिया, आदित्य भीमराजका, राजेन्द्र बासोरिया, टुलु भाई, अरूण केडिया, सज्जन बागोरिया, अमित शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, निर्मल अग्रवाल, अरुण नरसिंहपुरिया, सरोज कांवोटिया, सुनीता कमानी, विनोद अग्रवाल, सुनील बथवाल, विशाल अग्रवाल, राम चन्द्र अग्रवाल

सलाहकार, श्री रामरतनजी अग्रवाल, महावींर धानुका, गोपाल बंसल, सज्जन हापोलिया, जगदीशजी गुप्ता, सज्जन अग्रवाल, रामोवतार जी मोडा, महावीर जी लांडसरिया, राजेश कुमार, राधेश्याम बंडावाला, झुनझुन वाला, सुनील मुरारका, कमल अग्रवाल, सुकांत बेहरा, कमल सिकरीया, शिवरतन पारिक, अशोक चौधरी, अशोक साबू, धनराज अग्रवाल, श्यामसुन्दर कावटीया, राधेश्याम गनेरीवाल एवं अन्य। श्रीमती उषा लाडसरिया, किरण सुल्तानिया, डिम्पल कमानी, कान्ता देवी अग्रवाल, सुशीला देवी खिरेवाल, अन्ना देवी भावसिंगका सहित करीब २०० कार्यकर्त्ताओं ने मिलकर इस विशाल कार्यक्रम को सफल बनाने में अपने तन-मन-धन का सहयोग दिया। इस कार्यक्रम में मारवाड़ी युवा मंच कटक शाखा, शाकम्भरी माता सेवा समिति, जीणमाता प्रचार समिति, सैन समाज कटक, महिला समिति कटक व अन्यान्य संस्थाओं ने भरपुर सहयोग दिया। इस शिविर को सुचारू रूप से स्वास्थ्य व परिमल की सुव्यावस्था के लिये पुरी के जिलापाल श्री अरवीन्दजी अग्रवाल ने सम्मेलन को धन्यवाद प्रदान किया।

क्या मद्यपान उचित है?

– शिव कुमार लोहिया
राष्ट्रीय महामंत्री

श्रीमद्भगवतगीता (६.१७) में भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है-

युक्ताहारविहारस्य युक्तचेष्टस्य कर्मसु।
युक्तस्वपनावबोधस्य योगो भवति दुःखहा।।

अर्थात जो भोजन, आमोद प्रमोद, सोने तथा काम करने की आदतों में नियमित रहता है, वह योगाभ्यास के द्वारा समस्त भौतिक क्लेशों को नष्ट कर सकता है।

मारवाड़ी समाज सदियों से इन बातों की ओर सजग रहा है। इसलिये समाज उत्थान की ओर निरतंर बढ़ा है।

किन्तु अब समय बदल रहा है। समय के साथ परिवेश एवं हमारे सोच में भी कहीं कहीं परिवर्तन दिखलाई पड़ रहा है। समाज भौतिक दृष्टि से उन्नति करता हुआ प्रतीत हो रहा है। परन्तु नैतिक मूल्यबोध में गिरावट आ रहा है। समाज में मद्यपान का प्रचलन प्रचुर मात्रा में प्रारम्भ हो रहा है। यहाँ तक कि महिलायें भी इस कार्य में अपने को पीछे नहीं रखना चाहतीं।

मद्यपान किसी भी समाज के लिये अत्यन्त ही अहितकारी है। मद्यपान से बुद्धि शिथिल हो जाती है, बीमारियाँ होती हैं, अपने पैसे खर्च होते हैं एवं व्यक्ति का पतन होता है। शोधकर्त्ताओं ने मद्यपान एवं जुए में परस्पर सम्पर्क को सिद्ध किया है। मनुसंहिता में माँसभक्षण, नशा एवं यौन पिपासा के विषय मे कहा गया है – **प्रवृति रे भूतानां निवृत्तिस्तु महाकला**। यानि जब तक ऐसे पाप कर्मो का परित्याग नहीं किया जाता, तब तक जीवन की असली सिद्धि पाने की सम्भावना नहीं है। श्रीमद्भागवतम (६-१-१८) में शराब के अपवित्रता का उल्लेख इस प्रकार किया गया है –

न निष्पुनन्ति राजेन्द्र सुराकुम्भमि कापगा।

अर्थात शराब से भरा हुआ घड़ा अनेक नदियों के जल से धोए जाने पर भी पवित्र नहीं हो सकता।

यह सर्वविदित है कि मद्यपान से निर्णय लेने की क्षमता कम होती है, संयम कमजोर हो जाता है एवं जुआ या अन्य खतरनाक कार्य करने वाली प्रवृत्तियों को वढ़ावा मिलता है। इसी कारण कुरान (५.९०) मे मद्यपान निषेध किया गया है। मद्यपान को शैतान की संज्ञा दी गई है।

महात्मा गांधी मद्यपान के सख्त विरोधी थे। उन्होंने २३.३.१९२५ को हरिजन में लिखा था – "मद्यपान करने से व्यक्ति स्वयं को भूल जाता है। कुछ समय के लिये वह मनुष्य नहीं रह जाता। वह पशु से भी भयानक हो जाता है। मद्यपान के नशे की अवस्था में वह अपने पत्नी एवं बहन में फर्क नहीं कर पाता। वह अपने जिह्वा एवं अन्य अंगो पर अपना नियंत्रण खो देता है।"

गीता (१७.१०) में इसी प्रकार के व्यक्ति के लिए कहा गया है – **चार्मध्यं भोजनं तामसप्रियम**। यानि अस्पृश्य वस्तुओं से युक्त भोजन उन्हें पसंद है जो तामसी होते हैं। ये तामसी व्यक्ति काम, क्रोध तथा लोभ के वशीभूत हो जाते हैं। गीता (१६.२१) में ही कहा गया है –

त्रिविधं नरकस्येदं द्वारं नाशनमात्मनः।
काम क्रोधस्तथा लोभस्तस्मादेतत्रयं त्यजेत।।

अर्थात काम क्रोध तथा लोभ, तीनों नरक के द्वार हैं। प्रत्येक बुद्धिमान व्यक्ति को चाहिए कि उन्हें त्याग दे, क्योंकि इनसे आत्मा का पतन होता है।

गीता (१४.१३) मे ही इस प्रकार की स्थिति के विषय में स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने कहा है :-

अप्रकाशोऽप्रवृत्तिश्च प्रमादो मोह एव च।
तमस्येतानि जायन्ते विवृद्धे कुरुनन्दन।।

अर्थात जब तमो गुण में वृद्धि हो जाती है तो हे कुरूपुत्र! अंधेरा, जड़ता, प्रमत्तता तथा मोह का प्राकट्य होता है।

श्रीमद्भागवत पुराण में उल्लेख मिलता है कि यदुवंश, जिसमें श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था, ने विश्व को एक शिक्षा देने के लिए एक कदम उठाया था। जब उन्होंने यह तय किया कि इस भौतिक जगत का वे सब परित्याग करेंगे, तो वे सब मद्यपान करके मतवाले हो गए एवं अपने ही शहर, परिवार एवं रिश्तेदारों का नाश कर दिया।

अतएव, यह निष्कर्ष निकलता है कि मद्यपान करना सर्वथा अनुचित एवं हानिकारक है। एक दूसरे के नकल करने की होड़ में यह प्रचलन वढ़ता जा रहा है। महात्मा गांधी ने १९.२.३४ के हरिजन में इस संबंध मे अपना मत प्रकट किया था –

"इस बात में कोई भी नैतिक मान्यता नहीं है कि अगर एक व्यक्ति बुरा करता है तो दूसरे भी ऐसा ही करें। मैं क्यों झूठ बोलूँ, अगर दस हजार से अधिक मेरे पड़ोसी ऐसा करते

हैं। अगर हजारों व्यक्ति आत्महत्या करते हैं तो मै क्यों करूँ। और मैं यह कहना चाहूँगा कि मद्यपान करना आत्महत्या करने के समान है, क्योंकि ऐसा व्यक्ति अपने आत्मा की कुछ देर के लिए हत्या कर देता है और जो शरीर के मृत्यु से भी अधिक बुरा हैं।"

इस प्रकार समाज में बढ़ते मद्यपान की प्रवृति एक चिंता का विषय है। जो कुछ बंद कमरों में हो रहा था, अब बेझिझक हो रहा है। शादी-विवाह के अवसरों पर इसका चलना पिछले कुछ वर्षों में जोर पकड़ रहा है। ऐसा विशेषकर समाज में अपने रुतबे को ऊँचा करने के दृष्टिकोण से किया जाता है। देखा-देखी यह संकट गहराता जा रहा है। हम सभी जानते हैं कि विवाह एक सामाजिक, पारिवारिक, मांगलिक एवं पवित्र अवसर होता है। इसमें दो व्यक्ति देवी-देवता, पितरों, अग्नि की साक्षी में गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने का संकल्प लेते हैं। ऐसे अवसरों पर मद्यपान से निश्चित तौर पर पवित्रता एवं मांगलिकता पर कुठाराघात होता है। यह हमारे दृष्टिकोण का भी परिचायक है। पहले इस विवाह को जन्म-जन्मांतर में बंधने का संस्कार मानते थे। मनुष्य के सोलह संस्कारों में यह एक अन्यतम विशिष्ट संस्कार समझा जाता है। अब उसे किस प्रकार से प्रदर्शन एवं अपने अहंतुष्टि का माध्यम बनाया जा रहा है, यह सब हम देख रहे हैं। जब श्री आदित्य बिड़ला एम.आई.टी. (अमेरिका) में पढ़ रहे थे तो उनको दादा श्री घनश्यामदास बिड़ला ने एक पत्र के माध्यम से कुछ महत्वपूर्ण सीख दी थी। उन्होंने लिखा था - शाकाहारी भोजन करो, जीवन में नियमित आदत बनाओ, रोज सुबह घूमने जाओ, जल्दी सोओ, जल्दी उठो, विवाह जल्दी करो, अपने परिवार के साथ संपर्क में रहो, कमरा छोड़ कर जाते समय बिजली की लाईन बंद कर दो, कभी भी शराब एवं सिगरेट मत पीना। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि शराब पीना मारवाड़ी समाज के संस्कारों में ही नहीं है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सदैव ही समाज में व्याप्त खामियों एवं कुरीतियों के विरुद्ध अपनी आवाज उठाता रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में सम्मेलन ने हाल ही मे प्रस्ताव पारित किया है – वैवाहिक कार्यक्रमो में मद्यपान निषेध एवं ऐसे वैवाहिक कार्यक्रम जहाँ मद्यपान की व्यवस्था हो, उससे शामिल न हों। सामाजिक दृष्टि से इस प्रकार के कदम को तीन चरण से गुजरना पड़ता है। सर्वप्रथम भर्त्सना होती है। उसे तिरस्कृत किया जाता है। बाद में लोग प्रश्नचिन्ह लगाते हैं एवं अंत में उसे स्वीकृति मिलती है। उसी प्रकार इस निर्णय को भी सफलता मिलने में समय लगेगा। सम्मेलन के सभी सदस्यों एवं सभी समाजबंधुओं से अनुरोध है कि वृहतर समाज की भलाई को देखते हुए इस निर्णय को सफल बनाने के लिए आगे आयें।

राजिया रा दूहा

अड़वां खड़वां आथ, सुदतारा विलसै सदा।
सूमां चलै न साथ, राई जितरी, राजिया!।।१।।

भावार्थ – दानशील पुरुषों के पास अरबों-खरबों की अर्थात् बहुत बड़ी संपत्ति होती है तो वे उसको संचय करके नहीं रखते किंतु उसका सदा उपयोग करते हैं, अपने लिए और दूसरों के लिए खर्च करते हैं। दूसरी ओर कंजूस उसका संचय करके उसकी रक्षा करते हैं, न उसका स्वयं उपयोग करते हैं, और न उसे दूसरों के लिए खर्च करते हैं। उनके मरने पर वह सारी संपत्ति यहीं पड़ी रह जाती हैं, रत्तीभर भी उनके साथ नहीं जाती।

अदतारां घर आय, जे क्रोड़ा संपत जुड़ै।
मौज देण मन मांय, रती न आवै, राजिया!।।२।।

भावार्थ – कंजूसों की मनोवृत्ति ऐसी होती है कि उनके मन में गुणी जनों को रीझकर पुरस्कार देने का विचार तनिक भी नहीं आता, भले ही उनके पास करोड़ों की संपत्ति इकट्ठी हो गई हो।

अरहट-कू तमाम, ऊभर लग न हुवै इतौ।
जळहर एकी जाम, रेळै सब जग, राजिया!।।३।।

भावार्थ – कुएँ का अरहट सारी उम्र चलता रहे तो भी उतना पानी नहीं निकाल सकता। दूसरी ओर, बादल एक ही पहर बरसकर इतना पानी बरसा देता है कि सारी पृथ्वी डूब जाय, (पानी से भर जाय)।

अवनी रोग अनेक, ज्यांरा विध कीना जतन।
इण परक्रिति री एक, रची न ओखद, राजिया!।।४।।

भावार्थ–पृथ्वी पर अनेक बीमारियाँ हैं। विधाता ने उन सब के इलाज बनाये हैं, पर इस प्रकृति का (मानव-स्वभाव का) इलाज कर सके, ऐसी एक भी दवा नहीं बनाई।

समाज का सुरक्षा कवच है मारवाड़ी सम्मेलन

– संजय हरलालका
राष्ट्रीय संगठन मंत्री

आज समाज के अनेक लोगों के मन में यह जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन आखिर में क्या है? यह संस्था क्या कार्य करती है? इसके उद्देश्य क्या हैं? क्यों इस संस्था से जुड़ना चाहिए, आदि - आदि। समाज के लोगों के लिये जानना भी उत्पन्त आवश्यक है। जिज्ञासा का शमन भी होना चाहिए। किन्तु ८२ वर्षीय संस्था के इतिहास तथा वर्तमान की संक्षेप में पूर्णरूपेण व्याख्या भी नहीं की जा सकती। बावजूद इसके कुछ बातों पर प्रकाश डाला जा सकता है।

देश के १४ राज्यों यथा बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, पूर्वोत्तर, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड तथा दिल्ली में मारवाड़ी अपनी प्रादेशिक इकाइयों तथा करीब ३०० शाखाओं के माध्यम से कार्यरत है। हाल में ही गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी गठन के साथ यह संख्या १५ हो गई है। इनमें से कुछ अत्यधिक तो कुछ मध्यम रूप से गतिशील हैं तो कुछ की गतिविधियां शिथिल कही जा सकती है।

अब अगर संक्षिप्त शब्दों में कहा जाय तो समाज का सुरक्षा कवच है मारवाड़ी सम्मेलन। इतिहास गवाह है देश के किसी भी भाग में जब-जब समाज को किसी विपत्ति का सामना करना पड़ा है, मारवाड़ी सम्मेलन की आवाज ही मुखर बनकर उभरी है। आज भी सम्मेलन इस मामले में अपनी भूमिका का निर्वाह करता आ रहा है।

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ आवाज उठाने से लेकर आन्दोलन करने तक में सम्मेलन की भूमिका सर्वज्ञात है। कई बार यह बात सुनी जाती है कि सामाजिक कुरीतियां घटने की बजाय बढ़ रही हैं। समय परिवर्तन के साथ इसमें इजाफा हुआ है, इसमें कोई सन्देह भी नहीं है। किन्तु अगर हम सकारात्मक सोच के साथ सोचें तो पता चलेगा कि आज भी समाज में बहुत सारी अच्छाईयां हैं। इन अच्छाईयों को बचा कर रखने में सम्मेलन की भूमिका को नकारा नहीं जा सकता है। घर-घर की कहानी का यहां उदाहरण दिया जा सकता है जहां हमारी युवा पीढी अत्यन्त टैलेन्टेड तो है, साथ ही अपने निर्णय स्वयं लेने लगी हैं। उनके माता-पिता ने उन्हें अच्छे संस्कार भी दिये हैं, किन्तु तेजी से बदलते समय का प्रभाव भी कहीं न कहीं उन पर देखा जा सकता है। बावजूद इसके उनमें जो संस्कार बचे हैं, वह उनके माता-पिता तथा सामाजिक परिवेश की देन हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो जितनी तेजी से सामाजिक मूल्यों में गिरावट हो रही है, उससे हमारा समाज पूर्णरूपेण डूब चुका होता। सारी बुराईयों की जड़ लक्ष्मी (धन) को माना जाता है। हमारे समाज पर लक्ष्मी की कृपा भी रही है। हो भी क्यों नहीं? मारवाड़ी बुद्धि के साथ-साथ श्रम करने में कहीं भी पीछे नहीं रहता। देश के किसी भी भाग में जाकर बसने तक को तैयार हो जाता है। अतः लक्ष्मी की कृपा के बावजूद सामाजिक मूल्यबोध होना इस बात का परिचायक है कि हमारे में संस्कार जीवित है।

संक्षेप में कहा जा सकता है कि इन संस्कारों को जीवंत रखने, नई पीढी को इससे बांधे रखने तथा सामाजिक एकता को बनाये रखने सहित समाजिक सुरक्षा के मद्देनजर मारवाड़ी सम्मेलन की प्रासंगिकता थी, है और रहेगी।

कविता

आ धरती गोरा धोरां री

आ धरती गोरा धोरां री, आ धरती मीठा मोरां री!
ई धरती रो रुत्बो ऊँचो, आ बात कवै कुंचो कुंचो!
आं फोगां में निपज्या हीरा, आं बांठा में नाची मीरा!
पन्ना री जमाण आ सागण, आ ही प्रताप री माँ भागण!
दादू रैदास कथी वाणी, पीथळ रै पाण रयो पाणी!
जोहर री जागी आग अठै, रळ मिलग्या राग विराग अठै!
तलवार उगी रण खेतां में, इतिहास मंडयोड़ा रेता में!
बो सत रो सीरी आडावळ, बा पत री साख भरे चम्बळ!
चुण्डावत मांगी सैनाणी, सिर काट दे दियो क्षत्राणी!
ई कूख जलमिया भामासा, राणा री पूरी मन आसा!
बो जोधो दुर्गादास जबर, भीड़ लीन्ही दिल्ली स्यो टक्कर!
जुग जुग में आगीवाण हुया, घर गली गांव घमसाण हुया!
पग पग पर जागी जोत अठै, मरणे स्यूं मधरी मोत अठै!
रूं रूं में छत्र्या देवळ है, आ अमर जुन्झारा री थळ है!
हर एक खेजडा खेड़ा में, रोहिड़ा खिम्प कंकेडा में!
मारू री गूंजी राग अठे, बलिदान हुया बेथाग अठे!
आ मायड़ संता सूरा री, आ भोम बांकुरा वीरा री!
आ माटी मोठ मतीरा री, आ धूणी ध्यानी धीरा री!
आ साथण काचर बोरा री, आ मरवण लुआ लोरा री!
आ धरती गोरा धोरा री, आ धरती मीठे मोरा री!
आ धरती गोरा धोरा री, आ धरती मीठे मोरा री!

पाकिस्तान में मारवाड़ी

राजस्थान की भिन्न-भिन्न रियासतों से जो मुसलमान पाकिस्तान गये, उनकी मातृभाषा राजस्थानी ही थी। इसलिए वे वहाँ जाकर भी उसे नहीं भूल सके। भले ही उनकी राष्ट्रभाषा उर्दू रही हो। तदुपरांत इन लोगों ने अपने घरों और समाज में मातृभाषा राजस्थानी की पहचान बनाए रखा।

पाकिस्तान में प्रचलित राजस्थानी भाषा के विषय में यह उल्लेखनीय महत्वपूर्ण तथ्य हे कि आज तक हमारे पास राजस्थान में राजस्थानी सीखने के लिए कोई पुस्तक नहीं है। यहाँ वह लिखना उचित होगा कि आज से एक सौ साल पहले भाषा और साहित्य के प्रकाण्ड विद्वान पं० रामकर्ण आसोपा ने मारवाड़ी (राजस्थानी) सीखने के लिए 'पैली पोथी', 'दूजी पोथी' और 'तीजी पोथी' पुस्तकें लिखी और इन्हें प्रकाशित करवाया। पर आज वे पुस्तकें देखने तक को उपलब्ध नहीं हैं। परन्तु पाकिस्तान में राजस्थानी बोलने वालों ने 'राजस्थानी काबदों' शीर्षक से राजस्थानी सीखने की एक सचित्र पुस्तक प्रकाशित की। वहाँ यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि पाकिस्तान में देवनागरी लिपि का प्रयोग प्रचलन में नहीं है। इस कारण से पाकिस्तान में राजस्थानी की लिपि देवनागरी नहीं है। इस प्रकार से लिपि की समस्या को हल करने के प्रयास किए गए। उर्दू लिपि में राजस्थानी लिखना असम्भव था इसलिए राजस्थानी लिखने के लिए उर्दू और सिन्धी लिपि की वर्ण माला का प्रयोग किया गया और राजस्थानी वर्णमाला तैयार की गई। इस प्रकार पाकिस्तान में राजस्थानी की नई लिपि तैयार की गई और इस लिपि में वहाँ मात्र साहित्य का सर्जन ही नहीं हुआ अपितु उसका प्रकाशन भी हुआ।

बीसवीं सदी के अन्तिम दशक में गजराबाद करांची से १९६ पृष्ठों की राजस्थानी जबान-ओ-अदब अर्थात् 'राजस्थानी भाषा और साहित्य' शीर्षक पुस्तक प्रकाशित हुई। प्रस्तुत पुस्तक में राजस्थानी भाषा के संक्षिप्त इतिहास के साथ-साथ राजस्थानी साहित्य का इतिहास भी दिया गया है। राजस्थानी साहित्य के इतिहास में मात्र डिंगल साहित्य का ही उल्लेख किया गया है।

पाकिस्तान में सिंध और चनाब के वन्य प्रदेशों में आज भी राजस्थानी लोकगीत बड़े चाव से गाए जाते हैं। इन गीतों में 'चईसर', 'जलालो', 'केरटो', 'भरयारी', 'सावनीतीज', 'अंमलौ', 'पटियाली', 'मरणव', 'मूमल', 'रायधणे', 'घोंसलौं' आदि मुख्य हैं।

मुख्यतः जैसलमेर (भारत) के निवासी पत्थर के कारीगर, जो स्वयम् को सिलावट कहते हैं, सदियों से सिंध में रह रहे हैं। इस सिलावट जाति के अनेक व्यक्ति आज पाकिस्तान के करांची, हैदराबाद, सक्कर आदि प्रमुख शहरों में रह रहे हैं। इस समुदाय ने १९५५ में 'अंजुमन मारवाड़ी शोअरा' नामक साहित्यिक संस्था बनाई। इस संस्था के तत्वावधान में कई स्थानों पर मुशायरे (कवि सम्मेलन) आयोजित कराए गए और सफलता मिलने पर मुशायरों का यह क्रम चलता रहा। १९५५ से १९९५ के काल के प्रमुख कवियों में मास्टर अब्दुल हमीद (हमीद जैसलमेरी), थार मोहम्मद चोहान 'ताहिर', बाग अलीं शोक जैसलमेरी, मोहम्मद रमजान 'नसीर', औरंगजेब जोया, अशरफ अली, अफसोस, कुर्बानअली, चौहान, मेहमूद दार आदि उल्लेखनीय हैं। 'अंजुमन मारवाड़ी शोअरा' ने १९६३ में 'फल अबकता' शीर्षक से पुस्तक भी प्रकाशित की। तत्पश्चात् इसकी गतिविधियाँ कम होती गई और १९६५ में यह संस्था समाप्त हो गई।

तत्पश्चात् सिलावट वेलफेयर स्टूडेण्ट फेडरेशन ने वार्षिक पारितोषिक कवि सम्मेलन आयोजित करवाना शुरू किया और ये कवि सम्मेलन बहुत ही सफल रहे। इन कवि सम्मेलनों का आयोजन 'यूथ प्रोग्रेसिव' संस्था करती थी। इस काल के प्रमुख राजस्थानी कवि थे - युनूस राही, लियाकत अली 'दीपक', 'निसार', 'तालिया', 'जियादीन', 'परवान', 'इकबाल', 'बर्क लियाकत' 'राज', डॉ० मजीद 'चिनगारी', वशीर अहमद 'वशीर', मो० हनीफ, वरजू आदि।

सन् १९७६ में राजस्थानी अदब सभा की स्थापना हुई। प्रारम्भिक काल में इस सभा ने कोई उल्लेखनीय कार्य नहीं किया किन्तु अपने प्रथम नाटक 'एराब अंपूजी' के मंचन पश्चात् इसके काम में तेजी आई। डेढ़, दो वर्षों के सतत प्रयासों के पश्चात् इस संस्था ने राजस्थानी भाषा को ठोस रूप प्रदान करवाया और राजस्थानी भाषा की व्याकरण के प्रमुख नियम तय किये गए। इस काम में सैयद सिक्ले हसन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। सैयद सिक्ले ने पाकिस्तान के अंग्रेजी दैनिक डॉन में भी राजस्थानी विषयक कई लेख लिखे।

इसी काल में इस संस्था ने विवाह के अवसर पर गाये

जाने वाले राजस्थानी गीतों की एक कैसिट गुलाव अली की धुनों पर तैयार की। इसी समय राजस्थानी नाटकों के मंचन का सिलसिला भी शुरु हुआ। इन नाटकों में तत्कालीन सामाजिक बुराइयों पर प्रहार के साथ-साथ मनोरंजन की भी भरपूर सामग्री होती थी। इस समय में मंचित सभी नाटक अत्यन्त लोकप्रिय हुए।

राजस्थानी अदव सभा ने 'लबंफ' शीर्षक से एक लघु पुस्तिका भी प्रकाशित की। इस काल में अपने श्रेष्ठ काव्य के लिए राजस्थानी कवि समाज में बड़े चर्चित रहे कवि हैं सरदार अली चौहान, फारूक आदम 'फरीद', सुल्तान 'फरीद', रज्जब अली 'राम', फिरोज अली 'फिरोज' आदि। तत्पश्चात् सभा ने एक डग आगे बढ़ाते हुए राजस्थानी भाषा की कतिपय श्रेष्ठ कृतियों का सिन्धी, बिलोची, उर्दू व पंजाबी में अनुवाद करवाया ताकि विशेष अवसरों पर अन्य भाषाओं में इनका उपयोग संभव हो सके और राजस्थानी भाषा का सदुपयोग तथा लालित्य प्रदर्शित हो। राजस्थानी नाटकों के अतिरिक्त दो लोक कथाओं का भी इस समय मंचन किया गया।

मारवाड़ी (राजस्थानी) काव्य रचना के लिए अ.हमीद, 'हमीद' का नाम बड़ा ही विख्यात रहा। हमीद ने मायड़ भाषा की गतिविधियों को यथावत् बनाए रखने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमीद का जन्म १९०४ में हुआ था। उस समय आप मिडिल (सातवीं) तक पढ़े और नौकरी करने लगे। आपका स्वर्गवास १९७१ में हुआ। मायड़ भाषा राजस्थानी के इस लोकप्रिय कवि को पाकिस्तान में आज भी बड़ी श्रब्धा सम्मान से स्मरण किया जाता है।

इसी क्रम में राजस्थानी जबान-ओ-अदब पुस्तक के लेखक बाग अली शोक की चर्चा करना भी उचित होगा। उक्त पुस्तक में डॉ० करमान फतहपुरी ने बाग के बारे में लिखा है कि उन्हें यह ज्ञात नहीं कि बाग कौन हैं, क्या करते हैं, उनकी शिक्षा कहाँ हुई यह भी ज्ञात नहीं। श्री बाग का परिचय तक भी मात्र उक्त पुस्तक से ही हुआ है। इस पुस्तक के आधार पर संक्षेप में यह कहा जा सकता है कि बाग राजस्थानी के अच्छे साहित्यकार होने के साथ साथ उर्दू, सिन्धी, और गुजराती भाषाओं के अच्छे ज्ञाता थे। बाग सा.का सम्पर्क राजस्थानी मुस्लिम कौंसिल रावता (राजस्थानी मुस्लिम कोर्डिनेटिंग कौंसिल) करांची से भी था। इस कौंसिल का १९९१ में प्रामाणिक स्वरूप बना। राजस्थानी मुस्लिम कौंसिल रावता एक गैर राजनैतिक संस्था है और इसका गठन बिना किसी लाभ के लिए किया गया है। यह संस्था पाकिस्तान में रहने वाले राजस्थानियों के कल्याण के लिए प्रसिद्ध है। यह संस्था सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित अपनी सेवाएँ शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कृति के विकास के साथ-साथ पाकिस्तान के उन लोगों में समन्वय स्थापित करने के लिए भी प्रयासरत है जो पाकिस्तान में राजस्थान (भारत) की भिन्न-भिन्न रियासतों से गए हैं।

पाकिस्तान में राजस्थानी समाज के लोग, जो 'मारवाड़ी' नाम से विख्यात हैं, जिनकी व्यापार में बहुत कीर्ति है, इन मारवाड़ियों ने उत्साह से पाकिस्तान के वाणिज्य, उद्योग, व्यवसाय, राजकीय सेवाओं, कला, संस्कृति और साहित्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पाकिस्तानी सेना में बीर, अदम्य साहसी सैनिको के रूप में उच्च स्तरीय निष्ठापूर्ण सेवाएँ देकर इन्होंने अपनी विशिष्ट योग्यता का परचम लहराया है।

कौंसिल की १९९४ की सामान्य सभा की बैठक के अवसर पर राजस्थानी जबान शीर्षक पुस्तक का प्रकाशन हुआ। यह पुस्तक किसी विशिष्ट उद्देश्य से प्रकाशित की गई है। यह एक कटु सत्य है कि पाकिस्तान में पैदा होने वाली राजस्थानियों की नई पीढ़ी अपने समाज की उस भाषा से अनजान होती जा रही है जो किसी समय उनके घरों में बोली जाती थी। प्रस्तुत पुस्तक उस शृंखला की एक कड़ी है जो नई पीढ़ी को अपनी परम्परागत सौरभ, गौरवमय इतिहास, ईमानदारी, दायित्व निर्वहन और व्यवसाय के प्रति समर्पण भाव से अवगत करवाती है। यह पुस्तक पाकिस्तान की राष्ट्र भाषा उर्दू में लिखी गई है। पुस्तक का एक संक्षिप्त परिचय पुस्तक में ही अंग्रेजी में इस कारण से दिया है कि अंग्रेजी भाषी भी पुस्तक के उद्देश्य को पढ़ सके। १६० पृष्ठ की इस पुस्तक में कुल २३ अध्याय हैं। इसमें 'मरुभाषा', 'राजस्थानी गद्य-पद्य रचनाकार', 'राजस्थानी भाषा का फैलाव', 'कहावत और मुहावरा', 'लोकगीत', पाकिस्तान में आधुनिक साहित्य रो परिचै आदि प्रमुख अध्याय हैं। उक्त पुस्तक को अब्दुल हफीज बहलीम ने प्रस्तुत किया है। बहलीम का जन्म १९४० में जयपुर के गंगापुर में हुआ था। बहलीम एक उत्साही व्यवसायी, रियल इस्टेट ओनर, उद्योगपति, अनेक अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की कमेटियों में पाकिस्तान के प्रतिनिधि, कला प्रेमी और साहित्य के संरक्षक हैं।

जुगल पड़िहार, सहायक सम्पादक, 'माणक'
राजस्थानी से अनुवाद - शिवचरण मंत्री

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®

CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

STARKE™ NEW AGE PANELS

SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**

E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

A.T
ANU®
SAREES

लघु कहानी

बेटी

"माजी, म्हैं म्हारी मा रै घरां जाय रैयी हूं। सुवारै ऊठतां ईज बीनणी आपरी सासू सूं कैयो।

"क्यूं बीनणी, रात सोवण नै गई जठै तलक तो कीं ईज बात नीं ही। पछै सुवारै-सुवारै यूं किकर कैय रैयी है। रमेश सूं कीं झगड़ो-टंटो होयग्यो कांई?"

"अरे माजी, इणां सूं झगड़ो भलां क्यूं होवैला, इतरा चोखा संस्कार थैं जो दिया हो। बात आ "है" कि मा री तबीयत घणी खराब है। इण खातर म्हनै जावणो पड़सी अर ठीक होवणै मांय पंदरा-बीस दिनतो लाग ईज जासी।"

"ठीक है! तूं मिल'र आज्याईजै। बाकी तो थारी भाभी वठै ईज होवैलाव संभाळ'ई लेसी।"

"भाभी तो वठै ईज है, पण वा ऊपरलै मालै माथै न्यारी रैवै। बापू रो फोन आयो'क बेटा, तूं आय'र संभाळ लै। इण उमर रै मांय म्हारै अेकला सूं इतरो काम अबै होवै कोन्यां।" बीनणी लूगड़ा सूं आपरा आंसूड़ा पोंछती थकी कैयो।

"ठीक है बेटा, तूं जा। अठै मैं संभाळ लेस्यूं। डकरी री सेवा किणी न किणी नैं तो करणी ईज पड़सी, पण म्हारै आ' बात समझ मांय नीं आवै है' क जिकी बिनणी है वा' ई तो किणी री बेटी ईज है। सेंग आप-आपरी मा रो सोचै तो सासू भी तो किणी बेटा-बेटी री मा ईज होवै है।"

समाचार सार

बलांगीर जिले के तरभा निवासी **श्री रमेश अग्रवाल** के छोटे बेटे **रितेश अग्रवाल** ने बहुत ही कम उम्र में जो उपलब्धि हासिल (CEO of OYO Company) करते हुए ऊँचाइयाँ पाई है, टिटिलागढ़ मारवाड़ी समाज, अग्रवाल समाज, चैम्बर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज आदि ने रितेश व उनके माता-पिता (बेला, रमेश) को बधाई प्रेषित की है। यह सूचना टिटिलागढ़ से वरिष्ठ पत्रकार श्री ईश्वर चन्द्र जैन ने दी है।

पिछाण

टूट्योड़ी कुरस्यां ठीक करणै वाळो आयो तो मकान मालकिन उणनै बुलाय'र भाव-ताव करिया अर आपरै नौकर नै कैयो- "रामूड़ा, छत माथै दोय कुरस्यां पड़ी है जिकी लाय'र इणनै देय दे।"

वां दोन्यां री बातां सुण'र किरायादारणी'ई बा'रै आई अर कैयो- "म्हारै'ई कुरसी ठीक करवाणी है।"

पछै वा आपरै छोरा सूं कैयो- "बैटा, जा तो बैठक मांय सामनै ईज कुरसी पड़ी है जिकी ला तो, ठीक करावां।" छोरो कुरसी लाय'र देय दी।

पछै वै दोन्यूं उणसूं पूछियो'क अै' कुरस्यां ठीक कर'र पाछी कद ल्यासी?

वो किरायादारणी सूं- "आपरी कुरसी सिंज्या तलक ल्यादेस्यूं।"

पछै मकान मालकिन सूं- "आपरी कुरस्यां दोय दिनां पछै आवैला।"

"यूं किकर होय सकै? म्हारी पछै क्यूं?"

"क्यूं'क आपनै तो अबार इतरी जरूत है नीं अर इणांनै कुरसी री घणी जरूत है।"

"तूं किकर बताय सकै है'क किणनै जरूत है अर किणनै नीं?"

"बात यूं है सा'क आपरी कुरस्यां तो छत माथै पड़ी ही। यानी'क अटाळा रै मांय अर इणांरी बैठक में। मतलब साफ है'क आं'नै घणी जरूत है।"

साभार – जागती जोत

समाचार सार

शाबास स्नेहा!

गोलाघाट, असम निवासी श्रीमती रीना एवं श्री विजय कुमार बिनानी की पुत्री सुश्री स्नेहा बिनानी ने सी.बी. एस.ई. बोर्ड द्वारा आयोजित बारहवीं कक्षा की परीक्षा में ९७.८% अंक प्राप्त कर असम में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। दिल्ली पब्लिक स्कूल, नुमालीगढ़, गोलाघाट की छात्रा स्नेहा बचपन से ही परिश्रमी एवं प्रखर प्रतिभा की स्वामिनी हैं।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनायें!

कम खर्च मे शादियों की व्यवस्था

बांगड़ एवेन्यू संसद एवं सीकर नागरिक परिषद द्वारा सराहनीय पहल

कलकत्ते की सुप्रसिद्ध संस्था सीकर नागरिक परिषद एवं सीकर जिला वेलफेयर ट्रस्ट ने हाल ही में सुलभ मूल्य पर सारी व्यवस्था के साथ शाँदिया करवाने का निर्णय लिया है। इस पहल के अंतर्गत निम्नलिखित सुविधायें उपलब्ध करवाई जायेंगी :

ऐ.सी. रिसेप्सन हाल, ए.सी. रुम/फ्लेट, स्टेज सजावट, फेरा मंडप माइक सिस्टम, वरमाला, पंडित जी, पितरों का पातल, भोजन की व्यवस्था।

इस पूरे पैकेज को पात्र एक लाख १ हजार रुपया मे समाज के किसी भी व्यक्ति को सुलभ करवाने की व्यवस्था है। इस कार्यक्रम मे १५० अतिथियों के लिए व्यवस्था रहेगी।

इस के पहले कलकत्ते की एक और संस्था बांगड़ एवेन्यू संसद ने भी उसी प्रकार के कार्यक्रम की कुछ महिनों पहले की थी। उनके द्वारा घोषित पैकेज में २५० अतिथियों के लिए व्यवस्था होगी एवं खर्च १ लाख ५१ हजार निर्धारित किया गया है। इच्छुक समाजबंधु विवरण प्राप्त करने हेतु उन संस्थाओ से सीधे सम्पर्क कर सकते हैं।

हर्ष का विषय है कि दोनो संस्थाएँ ही अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन से संबद्ध है। उनका सम्पर्क विवरण इस प्रकार है :–

BANGUR AVENUE SANSAD
96/97, Bangur Avenue, Block-C
Kolkata - 700055
Phone : 2574-4180, 4006-9680
Visit us : www.bangursansad.org
E-mail : info@bangursansad.org

सीकर नागरिक परिषद (कोलकाता)
सीकर जिला वेलफेयर ट्रष्ट
सीकर भवन, १/ए, आशुतोष दे लेन,
(ग्रीस पार्क - लिबर्टी सिनेमा के सामने)
कोलकाता - ७०० ००६
दूरभाष : ०३३-२२५७३५२०
E-mail: sikarkolkata@gmail.com,
Web site : www.sikarkolkata.com

आना कभी मेरे देश मै आपको राजस्थान दिखाता हुँ

आँखों के दरमियान मैं
गुलिस्तां दिखाता हुँ,
आना कभी मेरे देश मैं आपको राजस्थान दिखाता हुँ।
खेजड़ी के साखो पर लटके फूलो की कीमत बताता हुँ,
मै साम्भर की झील से देखना कैसे नमक उठाता हुँ।
मैं सेखावाटी के रंगो से पनपी चित्रकला दिखाता हुँ,
महाराणा प्रताप के शौर्य की गाथा सुनाता हुँ।
पद्मावती और हाडा रानी का जोहर बताता हुँ,
पंग घुँधरु बाँध मीरा का मनोहर दिखाता हुँ।
सोने सी माटी मे पानी का अरमान बताता हुँ,
आना कभी मेरे देश मै आपको राजस्थान दिखाता हुँ।
हिरन की पुतली मे चाँद के दर्शन कराता हुँ,
चंदरबरदाई के शब्दों की व्याख्या सुनाता हुँ।
मीठी बोली, मीठे पानी मे जोधपुर की सैर करता हुँ,
कोटा, बूंदी, बीकानेर और हाड़ोती की मैं मल्हार गाता हुँ।
पुष्कर तीरथ कर के मै चिश्ती को चद्दर चढ़ाता हुँ,
जयपुर के हवामहल मे, गीत मोहब्बत के गाता हुँ।
जीते जी इस धरती पर स्वर्ग का मैं वरदान दिखाता हुँ,
आना कभी मेरे देश मै आपको राजस्थान दिखाता हुँ।
कोठिया दिखाता हुँ, राज हवेली दिखाता हुँ,
नज़रे ठहर न जाए कही मै आपको कुम्भलगढ़ दिखाता हुँ।
घूंघट में जीती मर्यादा और गंगानगर का मतलब समझाता हुँ,
तनोट माता के मंदिर से मै विश्व शांति की बात सुनाता हुँ।
राजिया के दोहो से लेके, जाम्भोजी के उसूल पढ़ाता हुँ,
होठो पे मुस्कान लिए, मुछो पे ताव देते राजपूत की परिभाषा बताता हुँ।
सिक्खो की बस्ती मे, पूजा के बाद अज़ान सुनाता हुँ,
आना कभी मेरे देश मै आपको राजस्थान दिखाता हुँ।।
जय जय राजस्थान

सम्मेलन के सदस्य बनें एवं बनायें

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

विशिष्ट संरक्षक सदस्य

श्री चन्द्र कुमार धानुका
धनेसरी हाउस
४ए, वूडवर्न पार्क
कोलकाता - ७०००२०
मो : ०३३-२२८०१९५०

डॉ. सुरेश कुमार अग्रवाल
मे. अग्रवाल फाउंडेशन
२एफ, मोर्या सेन्टर, ४८, गरियाहाट
रोड, कोलकाता - ७०००१९
मो : ९८३००५९५५०

श्री बालकिशन नेवटिया (सी.ए.)
मे. एस. जयकिशन
३सी, डॉ. यु. एन, ब्रह्मचारी स्ट्रीट
फ्लैट- ६बी, कोलकाता - ७०००१७
मो : ९८३१०१९२८९

श्री विजय कुमार अग्रवाल
मे. जय काली प्रोपर्टीज प्रा. लि.
९४, फियर्स लेन (चौथा तल)
कोलकाता - ७०००१२
मो : ९८३०२१२००१

श्री जय प्रकाश अग्रवाल
मे. श्रीजी प्रिंटर्स प्रा. लि.
बंगला नं.-४०, आदर्श सोसाइटी
लठवा लाईंस, सूरत-३९५००१
गुजरात
मो : ९८२४१०४४४४

श्री प्रमोद कुमार चौधरी
मे. प्रतिभा फैब्रिक्स लि.
३९९, जी.आई.डी.सी., पंडेसरा
सूरत - ३९४२२१, गुजरात
मो : ९८२४१०२६०४

श्री अनिल अग्रवाल
मे. विपूल इण्डस्ट्रीज प्रा. लि.
लोवर ग्राउण्ड फ्लोर, सागर शोपिंग
सेन्टर, सहरा दरवाजा, रिंग रोड
सूरत - ३९५००२, गुजरात
मो : ९८२४१०२७३१

श्री सुरेश अग्रवाल
१९२, गुजरात औद्योगिक
विकाश संस्थान, पंडेसरा
सूरत - ३९४२२१, गुजरात
मो : ९८२४१५१९२२

श्री संजय जी सरावगी
मे. लक्ष्मीपति साड़ीज
ए-२६, सेन्ट्रल पार्क
जी.आई.डी.सी., पंडेसरा
सूरत - ३९४२२१, गुजरात
मो : ९६८७६४३२००

श्री सुरेन्द्र कुमार डालमिया
मे. प्रयागराज डाईंग एण्ड प्रिंटिंग
मिल्स प्रा. लि.
प्लॉट नं.- ८६, डालमिया हाउस
अपो. अनमोल टेक्सटाइल मार्केट
रिंग रोड, सूरत-३९५००२, गुजरात
मो: ९८२५००९८९४

श्री अशोक गुप्ता
मे. नारायण ट्रेडिंग कं.
१५६, जमुनालाल बाजाज स्ट्रीट
केशवराम कटरा, कोलकाता - ७
मो : ९८७४३१७७०७

श्री आनंद कुमार अग्रवाल
मे. श्रीराम इंडस्ट्रीज एण्ड
एक्सपोर्ट प्रा. लि.
४५, झाउतला रोड
कोलकाता - ७०००१९
मो : ९८३००२२४६५

श्री अशोक दीवान
मे. दीवान फैशन एस्केप
दीवान हाउस, ९२/१, अलीपूर रोड
कोलकाता - ७०००२७
मो : ०३३-२२२६९८४३

श्री विजय दीवान
मे. एच.एम. दीवान ज्वेलर्स प्रा. लि.
दीवान हाउस, ९२/१, अलीपूर रोड
कोलकाता - ७०००२७
मो : ०३३-४०३०१९९९

श्री संदीप फोगला
मे. सांई सल्फोनेट्स प्रा. लि.
वाईट हाउस, द्वितीय तल
२१, चित्तरंजन एवेन्यु
कोलकाता - ७०००७२
मो : ०३३-४०१६६१००

संरक्षक सदस्य

श्री अश्वनी कुमार राजगढ़िया
मे. राजगढ़िया स्पेस्यिलिटी केयर
७०२, पंचवटी टावर, हरमूँ रोड
रांची - ८३४००१, झारखंड
मो : ९७०९०००००७

श्री गोकुल चंद बजाज
मे. अश्विन टेक्सटाईल
०-३८३-३८४, एल.जी. न्यु
टेक्सटाईल मार्केट, रिंग रोड
सूरत - ३९५००२, गुजरात
मो : ९३७७७७८३३३

श्री संदीप कुमार सिंघल
५०१, स्वीट हाउस कम्पलेक्स
श्री मुरलीधर बिल्डींग, अग्रसेन
भवन के नजदीक, सिटी लाईट
सूरत - ३९५००७, गुजरात
मो : ९३७७६१६१९६

श्री ताराचंद अग्रवाल
मे. त्रिविध केमिक्लस प्रा. लि.
एम-३, जे. के. टावर, रिंग रोड
सूरत - ३९५००२, गुजरात
मो : ९८२५११५०९८

श्री नेमीचंद जागिंड
६०२, श्री हरि अपार्टमेंट
लांसर आर्मी स्कूल के नजदीक
दुभास रोड, पिपलोड
सूरत - ३९५००२, गुजरात
मो : ९९९८१२०००३

श्री विनोद कुमार अग्रवाल
०-५३०, आर्शिवाद पैलेस
सतर रोड, सूरत - ३९५०१७
गुजरात
मो : ९३७४५२९४४१

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

संरक्षक सदस्य

श्री श्याम सुन्दर गुप्ता
४१३, जी. आई. डी. सी.
इंडस्ट्रीयल इस्टेट, पंडेसरा
सूरत - ३९४२२१, गुजरात
मो : ९८२५१२००२१

श्री महावीर कुमार साह
मे. अरिहंत ज्वेलर्स
अरिहंत मॉल, घुड़दौड रोड
सूरत - ३९५००१, गुजरात
मो : ९७२५६१५१६२

श्री कमल विजय
१५१सी, जमना नगर
शिवाजी गार्डेन के नजदीक
रामचौक, घुड़दौड़ रोड
सूरत - ३९५००१, गुजरात
मो : ९८२४१३८६३६

श्री रंजीत सिंह जैन (चोराड़िया)
६०३, ओम टैरेश
डी.आर.वी. कॉलेज के नजदीक
न्यु सिटी लाईट रोड, अल्थान
सूरत - ३९५०१७, गुजरात
मो : ९८२४०५०३२५

श्री गजानंद अग्रवाल
६०२, त्रिविध चैम्बर्स, रिंग रोड
सूरत - ३९५००२
गुजरात
मो : ९८२५१३७४००

श्री नरेश कुमार अग्रवाल
मे. श्री कुबेरजी बिल्डर्स
प्लट नं. - २५८, २५९
डी.एम.डी.एल.पी. सरौली के नजदीक
सूरत - ३९५०१०, गुजरात

श्री विश्वनाथ डी. खण्डेलवाल
नं. ३३, प्रतिश्था आवास
सरेला वाड़ी, घुड़दौड़ रोड
सूरत - ३९५००१, गुजरात
मो : ९८२५१४१७७५

श्री फूलचंद राठौड़
एम-१००१, न्यु टी.टी. मार्केटिंग
जश मार्केटिंग के बगल में, रिंग रोड
सूरत - ३९५००३, गुजरात
मो : ९९२५१४०४५५

श्री रामनिरंजन रूँगटा
११/ए, रजुआईभाव अपार्टमेंट
अठवा लाईंस
सूरत - ३९५००७, गुजरात
मो : ९८२४११४२८९

श्री देश बंधु आर्या
ए/३०२, ओपेरा हाउस
सिटी लाईट
सूरत - ३९५००१, गुजरात
मो: ९८२५११३८८२

श्री अनिल कुमार रूँगटा
१०७, राजहंस मैक्सिमा, ब्लाक-ए
रघु राम जी पार्टी फ्लॉट के नजदीक
उमरा, सूरत - ३९५००७, गुजरात
मो : ९८२५१२२६८९

श्री राधेश्याम अग्रवाल
में जालान ट्रेडर्स
बी-१२/१५, ट्रेड हाउस
मन दरवाजा, रिंग रोड
सूरत - ३९५००२, गुजरात
मो : ९८२५१३८२८१

श्री विनोद कुमार अग्रवाल
मे. शिल्पा डाईंग एण्ड प्रिंटिंग
मिल्स प्रा. लि.
प्लॅट नं.- ४३८ए, रोड नं.-४
जी.आई.डी.सी. सचिन
सूरत - ३९६४४५, गुजरात
मो : ९८७९५१५७१२

श्री श्रवण कुमार अग्रवाल
मे. शीतल सिल्क मिल्स
एम-३७०८, मिलेनियम टेक्सटाईल
मार्केटिंग, प्रथम तल, रिंग रोड
सूरत - ३९५००२, गुजरात
मो : ९८२५११३७५३

श्री सुशील मुरारका
२०१, आधारशीला अपार्टमेन्ट
कंकड़िया काम्पलेक्स
घुड़दौड़ रोड
सूरत - ३९५००१, गुजरात
मो : ९८७९५९४४२१

श्री विष्णु गोयनका
ओ-९०१, आई.सी.सी. बिल्डींग
कादीवली स्कूल के नजदीक
रिंग रोड, सूरत-३९५००२, गुजरात
मो : ९८२५११९२२९

श्री नारायण अग्रवाल
मे. प्रफुल ओवरसीज प्रा. लि.
ग्राउण्ड फ्लोर, सागर शोपिंग सेन्टर
सहारा दरवाजा, रिंग रोड
सूरत - ३९५००३, गुजरात
मो : ९८२४१६९०९५

श्री जितेन्द्र कुमार आर्या
४बी, रुद्रराज अपार्टमेन्ट
अपो-होटल गेटवे इन पी-पवाइंट
सूरत - ३९५००७, गुजरात
मो : ९८२५१२०९२१

श्री आनंद कुमार खेतान
९ए, रतन मिलन
रविधाम काम्पलेक्स, घुड़दौड़ रोड
सूरत - ३९५००७, गुजरात
मो : ९८२५१३६३७४

श्री कमल भूतड़ा
ए/२१०, इंडिया टेक्सटाईल मार्केट
रिंग रोड
सूरत - ३९५००३, गुजरात
मो : ९३२८९११११९

श्री राज कुमार अग्रवाल
मे. फ्रांसिस क्लेन एण्ड कं. प्रा. लि.
ओम टावर, सातवाँ तल
३२, चौरंगी रोड, कोलकाता - ७१
मो : ९८३१०१५१३८

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

आजीवन सदस्य

श्री जय प्रकाश अग्रवाल मे. मिट्ठु लाल जयप्रकाश सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री गुंजन अग्रवाल** मे. भवानी एजेन्सी, ब्राह्मण टोली, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री संतोष मोदी** मे. कमला प्रसाद मोहित कुमार सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री भुपेष नेमानी** मे. कैलाश प्रसाद जयप्रकाश सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री पुरूषोत्तम लाल पोद्दार** मे. पोद्दार सिंथेटिक्स, गजाधर चौधरी लेन, चौधरी मार्केट, मुजफ्फरपूर, बिहार
श्री रवि बंका मे. शिव शंकर टेक्सटाईल सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर, बिहार	**श्री विजय अग्रवाल** मे. नरसिंह भण्डार त्रिवेणीगंज, सुपौल, बिहार	**श्री राज कुमार अग्रवाल** त्रिवेणीगंज, सुपौल बिहार	**श्री राजीव कुमार अग्रवाल** ठाकुर बाड़ी, कृष्णा नगर सुपौल, बिहार	**श्री कार्तिक कुमार सुल्तानियाँ** मे. गणपति स्टोर, मेन रोड मधेपुरा, बिहार
श्री बजरंग कुमार केडिया मे. माखन भोग स्वीट्स कर्नार मधेपुरा, बिहार	**श्री अमुल कुमार** वार्ड नं. १३, पुरानी बाजार मधेपुरा, बिहार	**श्री बद्री कुमार बारिती** सुभाष चौक , वार्ड नं. २० मधेपुरा, बिहार	**श्री सुधीर कुमार सुल्तानियाँ** मे. शुभम एजेन्सी, वार्ड नं.-२०, मधेपुरा, बिहार	**श्री संजय कुमार सुल्तानियाँ** मेन रोड, वार्ड नं. - २० कचहरी रोड, मधेपुरा, बिहार
श्री आलोक कुमार सुल्तानियाँ मे. पशुपति ट्रेडर्स स्टेशन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री राजेश कुमार सुल्तानियाँ** मे. श्याम ट्रेडर्स, वार्ड नं.-६ मधेपुरा, बिहार	**श्री संजय कुमार सराफ** मे. मेघराज सराफ एजेन्सीज वार्ड नं.-२०, मधेपुरा, बिहार	**श्री गिरीधारी लाल नेवटिया** बी. एन. एम. भी. कालेज साहुगढ़, मधेपुरा, बिहार	**श्री गिरधर प्रसाद चाँद** द्वारा- विश्वनाथ एण्ड कं. वार्ड नं.-२०, मधेपुरा, बिहार
श्री अमित माहेश्वरी द्वारा- माहेश्वरी इंटरप्राईजेज वार्ड नं.-१३, मधेपुरा, बिहार	**श्री बजरंग सारस्वत** मे. मनोहरलाल द्वारका प्रसाद स्टेशन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री आलोक कुमार चौधरी** वार्ड नं.-१३, पुरानी बाजार मधेपुरा, बिहार	**श्री प्रदीप कुमार अग्रवाल** सुभाष चौक, मेन रोड वार्ड नं.-२०, मधेपुरा, बिहार	**श्री आनंद सराफ** मे. आंगन, मेन रोड वार्ड नं. २०, मधेपुरा, बिहार
श्री सुनिल कुमार अग्रवाल मे. मनीष एजेन्सी वार्ड नं.-२०, मधेपुरा, बिहार	**श्री आनंद कुमार** मे. आनंद टेक्सटाईल्स मधेपुरा, बिहार	**श्री सुमन कुमार तोदी** मे. गायत्री टेक्सटाईल कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री राजेश पारसरामपुरिया** मे. पारसरामपुरिया क्लॉथ स्टोर कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री श्रवण सालारपुरिया** मे. संजय साइकल धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार
श्री महेश अग्रवाल मे. अमीत स्टोर धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री सुनिल टेकरीवाल** मे. मनोहर लाल राधाकिशन पूरब बाजार, सहरसा, बिहार	**श्री शम्भु टेकरीवाल** मे. मनोहरलाल राधाकिशन वी.आई.पी.रोड, सहरसा, बिहार	**श्री सुधीर सराफ** मे. सहरसा डीजल पूरब बाजार, सहरसा, बिहार	**श्री अमित कुमार संघाई** मे. वीणा मेडिकल एजेन्सी सहरसा, बिहार
श्री राकेश रौशन मे. सुमन साड़ी सेन्टर सहरसा, बिहार	**श्री कृष्णा कुमार सुरेका** मे. ज्योति मेडिकल एजेन्सी काशी मार्केट, सहरसा, बिहार	**श्री अमित कुमार केडिया** मे. झलक गारमेन्ट्स कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री दीपक अग्रवाल** मे. शिव शंकर ट्रेडिंग कं. सहरसा, बिहार	**श्री मंटु भीमसारी** मे. सुन्दरी कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार
श्री अंकित कुमार तुलस्यान मे. श्री कृष्णा ट्रेडर्स धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री नीरज कुमार तुलस्यान** मे. जय अम्बे स्टोर धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री सुरेन्द्र कुमार फतेहपुरिया** मे. अग्रवाल ब्रदर्स पूरब बाजार, सहरसा, बिहार	**श्री अर्जून दहलान** मे. दहलान स्टोर्स दहलान चौक, सहरसा, बिहार	**श्री अभिषेक कुमार या** राजेश तोदी मे. एस. एन. जी. प्रोडक्ट्स सहरसा, बिहार
श्री सुशील कुमार सिरानियाँ मीरा सिनेमा रोड सहरसा, बिहार	**श्री नीरज कुमार खेतान** मे. सीता मेडिकल कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री श्याम सुन्दर दहलान** मे. दहलान डिस्ट्रीब्युटर्स पूरब बाजार, सहरसा, बिहार	**श्री संजय कुमार अग्रवाल** मे. अमरदीप ओ.बी.रोड, सहरसा, बिहार	**श्री प्रमोद कुमार खेतान** मे. खेतान रेडीमेड कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार
श्री रमेश भीमसरिया मे. जगदीश वस्त्र भंडार कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री बद्री प्रसाद अग्रवाल** मे. अमित मशीनरी सहरसा, बिहार	**श्री संजीव कुमार तुलस्यान** मे. संजीवन टी कं. महावीर चौक, सहरसा, बिहार	**श्री आदित्य मित्तल** मे. अंकित टेक्सटाईल्स कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री कुबेर कुमार तुलस्यान** मे. कुबेर ट्रेडिंग कं. सहरसा, बिहार
श्री रितेश कुमार तुलस्यान मे. मोनु टेक्सटाइल सहरसा, बिहार	**श्री अनिल कुमार यादुका** बनगाँव रोड सहरसा, बिहार	**श्री दीपक भीमसरीया** मे. श्री गोपाल ट्रेडर्स धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार	**श्री मधुसूदन भीमसरीया** मे. कोशी हैंडलूम कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री शंकर प्रसाद डीडवानियाँ** स्टेशन रोड सहरसा, बिहार
श्री शैलेन्द्र बंसल मे. शेल भण्डार सहरसा, बिहार	**श्री शिव कुमार अग्रवाल** मे. शिव राधे उद्योग सहरसा, बिहार	**श्री सुनिल कुमार जालान** मे. रेडिमेड इम्पोरियम कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री मुरारी अग्रवाल** मे. अग्रवाल हैंडलूम कपड़ापट्टी, सहरसा, बिहार	**श्री अर्पित तुलस्यान** मे. दीपा स्टोर धर्मशाला रोड, सहरसा, बिहार

IISD

A Gateway to Careers

SREI Foundation

"Educate Morally & Technically"
— Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100%

Quality Higher Education at lowest prices
– a corporate social responsibility

2 Yrs. PGDM ₹ 1,00,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

2 Yrs. #MBA + PGDM ₹ 1,70,000 (AIMA ALL INDIA MANAGEMENT ASSOCIATION)

3 Yrs. #BBA ₹ 75,000

 # 2 Yrs. MBA+ PGPM ₹ 85,000

3 Yrs. #BCA ₹ 75,000

 # 2 Yrs. MBA (Hospital Mgmnt.) ₹ 95,000

DUAL SPECIALISATION AVAILABLE

ELIGIBILITY & SELECTION
FOR MBA/PGDM

- BACHELOR'S DEGREE IN ANY DISCIPLINE WITH 50% SCORE
- APPEARING FOR FINAL DEGREE EXAMINATION
- GROUP DISCUSSION
- PERSONAL INTERVIEW ▲ APTITUDE TEST
- APPLICANTS WITH CAT / MAT / XAT ARE PREFERRED

Assistance for placement

- Eminent Faculty ● Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes ● Hostel
- AC Classrooms ● P G Accommodation

Complimentary Courses

- Spoken English ▲ Foreign Languages ▲ Bengali & Sanskrit
- ERP Training (Microsoft Certified)
- Company Secretaryship / Chartered Accountancy / Administrative Services
- Entrepreneurship Development ▲ Theology

Other Courses :

- Company Secretaryship • Advocateship
- E-Tuition
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Retail Management
- Preparatory course for Entrance Examination of MD, MS, MRCP (Medicine) – Part-I and DNB – Part-I
- Language Courses : Functional English, Spoken English, Spanish, Italian, Russian, German, Chinese, Japanese, Arabic, Burmese, Persian, French, Korean, Sanskrit, Bengali and Hindi
- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- NDA / CDS – UPSC Examinations and SSB Interview
- Certificate Course on Computer Applications
- Advanced Diploma in Financial Management
- Vocational & Technical Training
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance
- Certificate course on theology

Recognised by UGC, Ministry of HRD, Govt. of India, Approved by Joint Committee of UGC, AICTE & DEC

INSTITUTE FOR INSPIRATION & SELF DEVELOPMENT

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in
Website : www.iisdedu.in

9, Syed Amir Ali Avenue, 5th Floor
Kolkata- 700017, Ph : (033) 2290 0338

LUX®
cozi™
INNER WEAR
SUNO
TOH
APNE
DIL KI
From the house of LUX
An ISO 9001:2008 Certified Company
Govt. Certified STAR EXPORT HOUSE
ASIA'S MOST PROMISING BRAND - 2013-2015
MASTER BRAND 2014-2015
THE WORLD'S GREATEST BRANDS & LEADERS 2015-ASIA &GCC
THE ADMIRED BRANDS & LEADERS OF ASIA 2015

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS
Date of Publication - 24th June 2017
RNI Regd. No. 2866/68

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com